चैत्र शुक्ल पक्ष-11, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 138 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
11 नवंबर 2024 सोमवार

आज का मौसम
30 अधिकतम
21 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

आज विस्तारा की आखिरी उड़ान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय एविएशन सेक्टर में कल से नया बदलाव आ रहा है। टाटा ग्रुप और सिंगापुर एयरलाइंस की हिस्सेदारी वाली एयरलाइंस कंपनी विस्तारा आज अपनी आखिरी उड़ान भर रही है। विस्तारा के विमान कल से आसमान में उड़ान भरते नजर नहीं आएंगे, कल मंगलवार से इसका मर्जर एयर इंडिया में हो जाएगा और इसके बाद इसका पूरा ऑपरेशन एयर इंडिया द्वारा ही संचालित होगा। मर्जर के बाद ज्वाइंट वेंचर में सिंगापुर एयरलाइंस को नई इंटीग्रेटेड एयरलाइन में 25.1 फीसदी की हिस्सेदारी हासिल होगी।

हथियारबंद बदमाशों ने जज की कार का पीछा किया

फर्रूखाबाद। उप्र में फर्रूखाबाद में ईसी एक्ट की विशेष अदालत में तैनात जज ने जानलेवा हमले की नीयत से उनकी गा?ी का पीछा करने का मुकदमा दर्ज कराया है।. उन्होंने आशंका जताई है कि कुख्यात अपराधी सुंदर भाटी के गैंग ने उनकी गा?ी का अलीग?-पलवल हाइवे पर उस वक्त पीछा किया, जब वह दीपावली की छुट्टी पर नोएडा स्थित अपने घर जा रहे थे। जज के मुताबिक, हथियारों से लैस बदमाश बोलेरो कार में सवार होकर उनकी गा?ी का पीछा करते रहे. उन्होंने हाथों में हथियार लेकर उन्हें आतंकित किया। फिर सोफा नहर स्थित चौकी के पास से यू-टर्न लेकर वापस भाग गए। फिलहाल, शिकायत मिलने के बाद पुलिस अब इस पूरे मामले की जांच-पड़ताल में जुट गई है।

मुंबई -दिल्ली में प्याज के दाम 80 रु. किलो पर

नई दिल्ली। देशभर में बढ़ती महंगाई के बीच अब प्याज के दामों ने जबरदस्त उछाल लगाई है। कई शहरों में प्याज के दाम अचानक ही थोक बाजार में 70 से 80 रुपये किलो तक पहुंच गए हैं और फुटकर बाजार में यह सौ तक पहुंच सकते हैं। अब जिन शहरों में यह बढ़ोतरी देखने को मिली है, उनमें राजधानी दिल्ली और देश की आर्थिक राजधानी मुंबई भी शामिल हैं। चौंकाने वाली बात हाल ही में थोक बाजार में प्याज की कीमत 40-60 रुपये प्रति किलो तक थी। हालांकि, इस बढ़ोतरी ने उपभोक्ताओं के आंसू निकालने जरूर शुरू कर दिए हैं।

पहली बार राष्ट्रपति ट्रंप व पुतिन के बीच हुई बात

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद डोनाल्ड ट्रम्प ने रूसी प्रेसिडेंट व्लादिमीर पुतिन से पहली बार बातचीत की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों नेताओं के बीच 7 नवंबर को फोन पर बात हुई थी, जिसकी जानकारी अब सामने आई है। इस मामले से परिचित लोगों ने बताया कि दोनों नेताओं ने यूक्रेन में शांति कायम करने को लेकर बातचीत की। ट्रम्प ने पुतिन को यूक्रेन जंग को और आगे न बढ़ाने की सलाह दी और उन्हें यूरोप में अमेरिकी सेना की मौजूदगी की भी याद दिलाई। ट्रम्प ने फ्लोरिडा स्थित अपने रिजॉर्ट से बातचीत की। इस दौरान दोनों नेताओं ने यूरोप में शांति कायम रखने पर भी चर्चा की।

सीएम ने विजयपुर में दूसरी बार किया रात्रि विश्राम, शिवराज झारखंड छोड़ बुधनी में

आज आखिरी मौका: हाईवोल्टेज कैंपेन का दिन विजयपुर-बुधनी में झोंकी ताकत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र की बुधनी और विजयपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव को जीतने के लिए भाजपा-कांग्रेस ने पूरी ताकत झोंक रखी है। सत्तारूढ भाजपा की बड़ी चिंता विजयपुर बना हुआ है। यही वजह है कि मुख्यमंत्री मोहन यादव ने विजयपुर का मोर्चा संभाल रखा है, यहां से उनकी काबीना के मंत्री रामनिवास रावत भाजपा की टिकट पर मैदान में हैं। बुधनी में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान डटे हुए हैं, जहां उनके पुराने मित्र रमाकांत भार्गव मैदान में हैं। कांग्रेस से जीतू पटवारी और उमंग की जोड़ी दोनों ही सीटों पर काम कर रही है। कांग्रेस ने बुदनी में राजकुमार पटेल और विजयपुर में मुकेश मल्होत्रा को मैदान में उतारा है। इन दोनों ही दलों ने जोरशोर से चुनाव प्रचार के आखिरी दिन सोमवार को जबरदस्त कैंपेनिंग शुरू की। यह प्रचार शाम 5 बजे थम जाएगा। 13 नवंबर को वोट पड़ने हैं। इन दोनों चुनाव में सत्तारूढ़ भाजपा सरकार के कामकाज और चुनाव प्रबंधन पर निगाहें हैं तो भाजपा विजयपुर को 'बदलापुर' मानकर ताकत झोंके हुए हैं,क्योंकि रावत ने लोकसभा चुनाव में कांग्रेस छोड़कर उसे बड़ा झटका दिया था। बुधनी में कांग्रेस ने सभी बडे नेताओं की सभा कराई है। जबकि दिग्विजय सिंह को उन क्षेत्रों में केंद्रित किया गया, जहां से वे नर्मदा परिक्रमा पदयात्रा के तहत गुजरे थे।

कांग्रेस ने 22 बागियों को निकाला

विधानसभा चुनाव से पहले ही कांग्रेस ने बागियों के खिलाफ सख्ती की शुरुआत कर दी है. महाराष्ट्र में पार्टी से बागी होकर चुनाव लड़ने वाले 22 नेताओं को निकाला गया है इन पर पार्टी के खिलाफ काम करने व चुनाव मैदान में उतरने के आरोप है। निकाले गए नेताओं में कई दिग्गज भी शामिल हैं। इनमें पूर्व मंत्री राजेंद्र मुलक (रामटेक), याज्ञवल्क जिचकर (काटोल), कमल व्यवहारे (कसबा), मनोज शिंदे (कोपरी पचपखाड़ी) और आबा बागुल (पार्वती) शामिल हैं।

आज झारखंड में ताकत झोंक रही भाजपा ब्रिगेड

झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर सियासत ज्यादागर्म है। वहां पहले चरण के मतदान के लिए प्रचार के आखिरी दिन आज भाजपा हाई वोल्टेज अभियान चला रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, सूबे के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन और जेडीयू के राजा पीटर के साथ तीन जनसभाएं कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, आज झारखंड में चार रैलियां कर रहे। प्रचार के लिए मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और ओडिशा के सीएम मोहन चरण माझी भी झारखंड में हैं। सूबे में दोनों नेताओं की तीन-तीन जनसभाएं होंगी. इसके साथ ही बीजेपी नेता मिथुन चक्रवर्ती भी आज तीन जनसभाएं करेंगे। पहले चरण का चुनाव 13 नवंबर को है, 683 उम्मीदवार मैदान में हैं. यानी, हर सीट पर करीब 16 उम्मीदवार हैं. दूसरा चरण 20 नवंबर को होगा और नतीजे 23 नवंबर को आएंगे।

विजयपुर विस सीटः कसर नहीं छोड़ना चाहती भाजपा

मुख्यमंत्री कल दिनभर झारखंड में चुनाव प्रचार के बाद सीधे विजयपुर ही पहुंचे और देर रात तक जनता और भाजपा नेताओं से मिले। सामाजिक लोगों को भी साधा और रावत को जिताने में पूरी ताकत झोंकी। वह एक सप्ताह में दूसरी बार ग्वालियर क्षेत्र में रात रूके। माना जा रहा है कि पहली बार भाजपा शासित राज्य के किसी मुख्यमंत्री ने उप चुनाव जीतने के लिए क्षेत्र में इतनी जबरदस्त कैंपेनिंग की है। विजयपुर में भाजपा के लिये नरेन्द्र सिंह तोमर, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा भी विजयपुर में चुनावी जमीन खंगाल चुके हैं। कांग्रेस से जीतू पटवारी भी यहीं फोकस किये हुए हैं। कैंप भी करते रहे हैं। कांग्रेस ने यहां सचिन पायलट की भी रैली व जनसभा कराई हैं।

बुधनी विधानसभा सीटः शिवराज का नाम, कार्तिकेय का काम

हाई प्रोफाइल चुनाव क्षेत्र बुधनी में लंबे समय बाद शिवराज सिंह चौहान विधानसभा चुनाव में नहीं है, लेकिन उनके करीबी रमाकांत भार्गव के लिये मेहनत कर रहे हैं। उन्हें जीत दिलाने के लिए शिवराज के नाम पर उनके बेटे कार्तिकेय चौहान ने मोर्चा संभाल रखा है। खुद शिवराज झारखंड के प्रभारी होने के बावजूद आखिरी दिन सोमवार को बुदनी में है। उधर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी तीन दिन पहले कांग्रेस प्रत्याशी राजकुमार पटेल को आम जनता के भरोसे छोड़ आए हैं। उन्होंने एक रैली में कहा भी था कि अब राजकुमार पटेल को आपके भरोसे छोड़कर जा रहा हूं, आपको ही जीत दिलानी है। यहां कांग्रेस के दिग्विजय सिंह, अरुण यादव जैसे बड़े नेता भी सक्रिय है।

अब जस्टिस संजीव खन्ना देश के नए सीजेआई, राष्ट्रपति ने शपथ दिलाई

नईदिल्ली, एजेंसी

आज से जस्टिस संजीव खन्ना ने भारत के मुख्य न्यायधीश का पद संभाल लिया। राष्ट्रपति भवन में 51वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में उन्होंने शपथ ली। सादे और गरिमापूर्ण समारोह में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने उनको पद की शपथ दिलाई। इससे पहले जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ रिटायर हुए हैं। जस्टिस खन्ना के नाम की सिफारिश जस्टिस चंद्रचूड़ ने की थी। चंद्रचूड़ कल 65 साल की उम्र में इस पद से रिटायर हुए हैं। वहीं 1960 को जन्मे जस्टिस संजीव खन्ना ने दिल्ली विश्वविद्यालय के कैंपस लॉ सेंटर से कानून की पढ़ाई की है। दिल्ली हाईकोर्ट के जज नियुक्त होने से पहले वे तीसरी पीढ़ी के वकील थे। उन्होंने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया है।

ऐतिहासिक फैसलों में शामिलः जनवरी 2019 से सुप्रीम कोर्ट के जज के रूप में कार्यरत न्यायमूर्ति खन्ना कई ऐतिहासिक फैसलों का हिस्सा रहे हैं, जैसे ईवीएम की पवित्रता को बनाए रखना के मामले, चुनावी बॉन्ड योजना को खत्म करना, अनुच्छेद 370 को निरस्त करना और दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत। सुप्रीम कोर्ट में वरिष्ठता नियम के मुताबिक, जस्टिस संजीव खन्ना आज 11 नवंबर से 13 मई 2025 तक 6 महीने के लिए भारत के 51वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में देश की न्यायपालिका का नेतृत्व करेंगे।

शेयर बाजार रिकवरी के मूड में नजर आया

मुंबई, एजेंसी

आज भारतीय शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला फिर शुरू हुआ लेकिन कुछ घंटे बाद यह संभलने लगा। एशियाई बाजार में सुस्ती के चलते भारतीय बाजार भी लाल निशान पर ओपन हुआ था। प्री-ओपन में भी इंडेक्स गिरावट के साथ कारोबार करते रहे। सेंसेक्स गिरावट के साथ 79,298.46 के स्तर पर खुला, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी ने 100 अंक की गिरावट लेकर 24,100 के लेवल से नीचे कारोबार शुरू किया। तेज गिरावट के दौर में सेंसेक्स 453.28 अंक फिसला, लेकिन आधे घंटे के कारोबार के दौरान ही सेंसेक्स 550 अंक उछलकर 80 हजार के पार हो गया।

मेट्रो एंकर भूकंप, भूस्खलन, जंगल की आग, बारिश पर रहेगी नजर

अंतरिक्ष में अब सबसे ताकतवर जासूस 'निसार' भेजेगा इसरो-नासा

नई दिल्ली, एजेंसी

मानव इतिहास का सबसे ताकतवर सैटेलाइट निसार अगले साल के शुरूआत में लॉन्च होने वाला है। यह इकलौता सैटेलाइट पूरी दुनिया में आने वाली किसी भी तरह की आपदा की जानकारी दे सकता है। इस सैटेलाइट को भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो और अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने मिलकर बनाया है। अंतरिक्ष में तैनात किया जाने वाला यह जासूस भूकंप, भूस्खलन, जंगल की आग, बारिश, चक्रवाती तूफान, हरिकेन, बारिश, बिजली का गिरना, ज्वालामुखी का फटना, टेक्टोनिक प्लेट्स की मूवमेंट यानि हर एक चीज पर नजर रखेगा। खास बात यह कि इन प्राकृतिक घटनाओं के होने से पहले ही यह अलर्ट कर देगा। नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर राडार यानि निसार लॉन्च होने के बाद पूरी दुनिया को आने वाले भूकंपों के बारे में पहले सूचना देगा।

खबरों के मुताबिक निसार का रडार 240 किमी क्षेत्रफल की एकदम साफ तस्वीरें लेगा। मिशन की लाइफ 5 साल मानी जा रही है. लेकिन

यह आगे भी बढ़ सकती है। निसार टेक्टोनिक प्लेट्स के मूवमेंट को सेंटीमीटर के स्तर तक रिकॉर्ड कर पाएगा। ज्यादा या कम मूवमेंट से पता चलेगा कि कहां और कब भूकंप आ सकता है. यह धरती का एक चक्कर 12 दिन में लगाएगा। निसार सैटेलाइट में एक बड़ा मेन बस होगा, जिसमें कई इंस्ट्रूमेंट्स होंगे। ट्रांसपोंडर्स, टेलीस्कोप और रडार सिस्टम होगा। इसमें से एक आर्म निकलेगा, जिसके ऊपर एक सिलेंडर होगा। यह सिलेंडर लॉन्च होने के कुछ घंटों बाद खुलेगा तो इसमें डिश एंटीना जैसी एक बड़ी छतरी निकलेगी। यह छतरी ही सिंथेटिक अपर्चर रडार है। निसार जब धरती का दूसरा चक्कर लगाएगा, इतने दिन के अंतर में धरती की सतह पर आने वाले बदलाव पता चल जाएंगे. हम सटीकता से यह पता कर पाएंगे कि किस देश में किस तरह का मौसम है, या किस तरह की प्राकृतिक आपदा आने की आशंका बन रही है।

सबसे महंगा सैटेलाइट

इस सैटेलाइट को GSLV-MKw रॉकेट से लॉन्च किया जाएगा। लॉन्चिंग श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर के दूसरे लॉन्च पैड से होगी। सैटेलाइट्स और पेलोड की कई बार टेस्टिंग हो चुकी है। बताया जाता है कियह दुनिया का सबसे महंगा अर्थ ऑब्जरवेशन सैटेलाइट है। इसे बनाने में 10 हजार करोड़ रुपए की लागत आई है।

यह काम करेगा 'निसार'

- शहर के धंसने, बवंडर, तूफान, ज्वालामुखी, भूकंप, ग्लेशियरों का पिघलना, समुद्री तूफान, जंगली आग, समुद्रों के जलस्तर में बढ़ोतरी, समेत कई आपदाओं का अलर्ट देगा।
- स्पेस में धरती के चारों तरफ जमा हो रहे कचरे और धरती की ओर अंतरिक्ष से आने वाले खतरों की सूचना भी देता रहेगा।
-धरती पर पेड़-पौधों की घटती-बढ़ती संख्या पर नजर, प्रकाश की कमी और ज्यादा होने के असर की भी स्टडी होगी।

राजधानी में कई जगह हुए अन्नकूट के आयोजन

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मारवाड़ी रोड स्थित पंचायती मंदिर में माहेश्वरी समाज भोपाल व माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा 56 भोग अन्नकूट दीपावली मिलन कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर समाज की महिलाएं मौजूद रहीं।

भोपाल, दोपहर मेट्रो। राठौर संघ द्वारा श्री संकट हरण महादेव मन्दिर अन्नकूट महोत्सव, बाबा का श्रृंगार आरती, भोजन प्रसादी व खाटू श्याम जी की भजन संध्या हुई। साथ ही वरिष्ठ समाजसेवियो का सम्मान भी किया गया। - फोटो निर्मल व्यास

शीतला माता मंदिर पर 56 भोग व अन्नकूट

भोपाल, दोपहर मेट्रो। टीला जमालपुरा स्थित शीतला माता मंदिर में गोपाष्टमी पर 56 भोग एवं अन्नकूट महोत्सव का आयोजन धूमधाम से मना। शीतला माता जनकल्याण भक्त मंडल के अध्यक्ष श्रीहरि जोशी ने बताया कि मंदिर के मुख्य पुजारी विष्णुकांत जोशी की ओर से यह आयोजन पिछले 41 सालों से किया जा रहा है। इस मौके पर भगवान का दिव्य श्रृंगार, 56 भोग महाआरती, दर्शन बाद महाप्रसादी की। इस दौरान संगीतमय भजन संध्या का भी आयोजन किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि सांसद आलोक शर्मा महापौर म मालती राय व मुख्य संरक्षक व पार्षद मनोज राठौर मौजूद रहे।

भोपाल समेत छह शहरों में चलना है 552 बसें

ई-बसों का इंतजार और बढ़ सकता है..!

भोपाल, दोपहर मेट्रो। राजधानी समेत अन्य बड़े शहरों में इलेक्ट्रिक बसों को दौड़ाने का मामला अटक रहा है। वजह यह है कि मप्र को इस साल भी केंद्र सरकार से 552 इलेक्ट्रिक बसों का मिलना मुश्किल लग रहा है। भोपाल में 100 इलेक्ट्रिक बसों के संचालन की योजना है। बताया जाता है कि केंद्र सरकार के पास मप्र के अलावा कई अन्य राज्यों की डिमांड एक साथ आने पर बसों की डिलीवरी अटक गई है। दरअसल दिसंबर 2023 में केंद्र ने पीएम ई बस सेवा के तहत 57,000 करोड़ की लागत से मप्र सहित कई राज्यों में 10,000 बसें चलाने की घोषणा की थी। अब लगभग दो साल से चल रही 552 इलेक्ट्रिक बसों की प्रक्रिया के तहत बसों की डिलीवरी इस वर्ष हो जानी थी, लेकिन अब अगले वर्ष ही बसें मिलने की संभावना है।

दरअसल, मध्यप्रदेश ने जो प्रस्ताव बनाया था वह पहले वित्त विभाग की आपत्ति पर अटक गया था। केंद्र की शर्त थी कि ई बसों का संचालन करने वाली कंपनी को भुगतान सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार को लिखित अंडरटेकिंग देनी होगी। इस पर वित्त विभाग ने आपत्ति लगा दी थी। कंपनी को स्टैंडर्ड बस के लिए 24, मिडी बस के लिए 22 और मिनी बस के लिए 20 रुपये प्रति किमी भुगतान होना है। बाद में नगरीय प्रशासन विभाग ने बस संचालकों को घाटा होने पर नगरीय निकायों की अनुदान राशि से भरपाई करने की सहमति देकर 2023 में अक्टूबर में प्रस्ताव भेज दिया था।

उल्लेखनीय है कि इसी साल फरवरी में पीएम ई-बस योजना के तहत मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कैबिनेट की बैठक में भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन और सागर में 552 शहरी बसों के संचालन को स्वीकृति दी थी। इसके बाद नगरीय प्रशासन विभाग ने 552 बसों की सप्लाई के लिए केंद्र को प्रस्ताव बनाकर भेजा था। इंदौर को 150, भोपाल, उज्जैन और जबलपुर को 100-100, ग्वालियर को 70 के अलावा सागर को 32 इलेक्ट्रिक बसें मिलनी हैं।

बसों की खूबियां व किफायत

बताया जाता है कि एक बार चार्ज करने के बाद ये बसें 225 किलोमीटर तक चल सकती हैं। सभी बसें वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग सिस्टम से भी लैस होती हैं। दिव्यांग जनों के लिए इसमें फोल्डेबल रैंप की भी सुविधा है ताकि उन्हें बस में चढ़ने में सहूलियत मिले। यात्रियों का भी बस में चढ़ना-उतरना काफी आसान है। कुछ महीने पहले दिल्ली में एकमुश्त चार सौ इलेक्ट्रिक बसें सार्वजनिक परिवहन बेडे में जोड़ी गई थीं।

नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार ने दत्तोपंत ठेंगड़ी स्मृति राष्ट्रीय व्याख्यानमाला में कहा

विकसित व आत्मनिर्भर भारत को लेकर कई लोगों में भ्रांतियां

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

इन दिनों विकसित और आत्मनिर्भर भारत की खूब चर्चा हो रही है। इस बीच नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार के एक बयान से इस पर एक नई बहस शुरू हो गई है। डॉ. राजीव कुमार ने कहा कि विकसित भारत व विकसित भारत को लेकर कई लोगों में भ्रंतियां हैं। उन्होंने उदाहरण दिया कि आत्मनिर्भर भारत का मतलब यह नहीं होना चाहिए कि हमें किसी की जरुरत नहीं पड़ेगी। जो ऐसा सोचते हैं, वह बहुत ही गलत है। कोई भी खुद अपनी जरुरतें पूरी नहीं कर सकते हैं, ऐसा होना भी नहीं चाहिए। हमें अन्य देशों से आयात-निर्यात दोनों ही बढ़ाने होंगे। तभी हमारी आर्थिक उन्नति हो सकती है। नहीं तो सारी कवायद धरी रह जाएंगी। डॉ. राजीव कुमार रविवार को दत्तोपंत ठेंगड़ी स्मृति राष्ट्रीय व्याख्यानमाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विकसित भारत को लेकर मनरेगा का उदाहरण देते हुए कहा कि विभिन्न राज्यों में दी जा रही मनरेगा मजदूरी और कार्य दिवस का औसत निकाले तो पाएंगे कि एक व्यक्ति को सालाना 30 हजार रुपये मिलते होंगे। इतनी कम राशि में आखिर कोई कैसे अच्छा जीवन यापन कर सकता है, यह सोचना पड़ेगा। ऐसे तो विकसित भारत के लक्ष्यों को पूरा नहीं कर पाएंगे। आत्मनिर्भर भारत का मतलब भी कई लोग गलत निकाल रहे हैं, यह कभी नहीं हो सकता है कि भारत दूसरे देशों पर निर्भरता खत्म् करके आगे बढ़ जाएगा। बल्कि हमें निजी निवेशकों को रेगुलेट करने की बजाए प्रोत्साहित करके निर्यात को बढ़ावा देना पड़ेगा। अभी इस दिशा में अच्छा काम नहीं कह सकते। यह काम केंद्र की बजाए राज्यों को जमीनी स्तर पर करना होगा। दीनदयाल उपाध्याय व दंतोपंत ठेंगड़ी इन विषयों पर कई तथ्य समाज के सामने रख थे।

केरल के राज्यपाल ने 'बटोगे तो कटोगे' वाले बयान का किया अप्रत्यक्ष समर्थन

देशभर में बटोगे तो कटोगे वाले वाले बयान पर सियासत के बीच केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने भी इस बयान का अप्रत्यक्ष तौर पर समर्थन किया है। जब राज्यपाल से मीडिया ने रविवार को भोपाल में पूछा कि बटोगे तो कटोगे पर आपकी क्या राय है तो उन्होंने साफ तौर पर कहा कि एकता का भाव तो होना ही चाहिए। इसमें कोई विशेष बात तो नहीं है। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान दो दिनी मप्र प्रवास पर थे, उन्होंने रविवार को रवींद्र भवन में आयोजित दत्तोपंत ठेंगड़ी स्मृति राष्ट्रीय व्याख्यानमाला में मुख्य वक्ता के रूप में हिस्सा लिया। जिसमें एकता और एकात्मता पर जोर दिया। व्याख्यानमाला में केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि हम जहां भी नजर डालते हैं, जंग होती नजर आती है। चाहता तो भारत भी ऐसे कदम उठा सकता था, जिसमें कि वह सक्षम है लेकिन हमारे सांस्कृतिक मूल्य हमें इसकी इजाजत नहीं देते। तभी तो दुनिया शांति के लिए भारत की ओर देखती है। उन्होंने देश के विकास में पंडित दीनदयाल उपाध्याय व दंतोपंत ठेंगड़ी से जुड़े कई प्रसंगों का उल्लेख करते हुए कहा कि हमें अपना रास्ता खुद खोजना पड़ेगा। यह भी कहा कि रंग, बोली, भाषा, संस्कृति के आधार पर हम अलग-अलग हो सकते हैं लेकिन जब प्रत्येक व्यक्ति की आत्मा के अंदर परमात्मा के अस्तित्व को स्वीकार कर लेंगे तो पाएंगे कि सभी आत्माओं के अंदर परमात्मा का निवास है जो एक है। तब हम किसी के पैर पर पैर रखने से भी बचेंगे।

जीआइएस तक जारी रहेगा आरआइसी-रोड शो का सिलसिला

2.76 लाख करोड़ के प्रस्ताव

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मुयमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि 7-8 फरवरी को भोपाल में होने वाली ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट (जीआइएस) तक प्रदेश में हर महीने रीजनल इंडस्ट्री समिट (आरआइएस) और देश के महानगरों में इंवेस्ट एमपी रोड शो जारी रहेंगे। अब विदेश में भी इंटरेक्टिव सेशन का आयोजन होगा। इससे संतुलित औद्योगिक विकास और रोजगार के अवसर बढ़ाने की दिशा में सकारात्मक परिणाम मिल रहे हैं। इसी क्रम में 7 दिसंबर को नर्मदापुरम में इंडस्ट्री कॉन्क्लेव होगी। निवेशकों को नर्मदापुरम क्षेत्र की संभावनाओं से जोड़ते हुए प्रदेश की आर्थिक बेहतरी के लिए गतिविधियां प्रस्तावित हैं। कॉन्क्लेव में सभी सेक्टर्स के उद्योगपतियों को आमंत्रित किया जा रहा है। इससे आईटी, हेल्थ, एजुकेशन, टूरिज्म, भारी उद्योग, एमएसएमई, लघु कुटीर उद्योग सहित अन्य उद्योग-धंधों के जरिए अधिक से अधिक रोजगार के अवसर सृजित किए जा सकेंगे। सीएम ने बताया कि प्रदेश में निवेश को बढ़ाने के लिए इसी माह विदेश जाने वाले हैं। लंदन में 26 नवंबर को इंटरेक्टिव सेशन होगा। उसके बाद निवेशकों के साथ राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस भी होंगी। विदेशी उद्योगपतियों को मप्र में उद्योग लगाने के लिए राज्य की नीतियों और औद्योगिक वातावरण से अवगत करा कर निवेश आमंत्रित किया जाएगा।

मेट्रो एंकर गुरूकुल के बच्चों ने गाय के चरण रज से किया तिलक

आशाराम आश्रम में मनी गोपाष्टमी गौ माता की सामूहिक पूजन हुआ

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

आशाराम आश्रम गांधीनगर की गौशाला में गोपाष्टमी का पर्व मनाया गया। गुरुकुल के सैंक?ों बच्चों ने सामूहिक रूप से गौ- पूजन किया। ऋषि वैली स्कूल के बच्चे भी अपने प्राचार्यों के साथ सम्मिलित हुए। इससे पहले बच्चों में गौ ज्ञान प्रतियोगिता, गौ महिमा व गौ सेवा पर वक्तव्य प्रतियोगिता का आयोजन किया, विजेता बच्चों को पुरस्कृत किया गया। गौ उत्पाद रिंग थ्रोइंग गेम में भी हिस्सा लेकर बच्चों ने इनाम जीते। सभी ने गौ माता की चरण रज से तिलक किया। जल, अक्षत, पुष्प व धूप से गाय का पूजन, आरती कर परिक्रमा की। बच्चों के अलावा गौ- भक्तों ने सामूहिक गौ पूजन को किया। कार्यक्रम में समिति के सदस्यों अरुण साहू, अशोक मालवीय, विजय पारवानी, प्रदीप पोतदार व युवा सेवा संघ के कार्यकर्ता उपस्थित थे। आयोजन का उद्देश्य जन समाज व विशेषकर बच्चों में गौमाता के प्रति प्रेम, आदर व सम्मान के संस्कार डालना था।

श्रीमद भागवत कथा का समापन

जहां धर्म होगा, वहीं विजय होगी: हरिओम

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

श्रीमद् भागवत कथा के सात दिवसीय अनुष्ठान के विराम दिवस पर रविवार को कथा व्यास से हरिओमजी ने कहा कि विपदा के समय हमेशा भगवान साथ देते हैं, इसलिए सुख-दुख में भगवान को सुमरन कीजिए। जहां धर्म होगा, वहां विजय होगी। उन्होंने ने कहा कि अपना हाथ ईश्वर के हाथ में सौंप दीजिए। प्रभु को बताइए कि आप जहां बिठाइएंगे। आपका हर फैसला मंजूर है। एमआईसी सदस्य राजेश हिंगोरानी व पंचायत अध्यक्ष माधू चांदवानी ने व्यास पीठ का आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष कमल विधानी, भाजपा नेता महेश खटवानी, कन्हैया लाल नागदेव, अजीत मेंहरचंदानी ने गुरुजी का शाल व फूल मालाओं से सम्मान कर आशीर्वाद लिया।

तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास एवं रोजगार विभाग हुआ डिजिटल

1 जनवरी से मंत्रालय में मैनुअल फाइलें होंगी बंद, 100 प्रतिशत ई-ऑफिस प्रणाली

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश के तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग ने डिजिटल कार्यप्रणाली में 100 प्रतिशत ई-ऑफिस प्रणाली को सफलतापूर्वक लागू किया है। सचिव रघुराज राजेंद्रन ने बताया कि ई-ऑफिस प्रणाली में अब मंत्री स्तर तक सभी फाइलें और दस्तावेज डिजिटल प्रारूप में संचालित होंगे, जिससे कार्यप्रणाली में पारदर्शिता भी और भी गति आएगी। इसमें पर्यावरण संरक्षण के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता भी प्रदर्शित होगी। सरकार ने निर्णय लिया है कि 1 जनवरी 2025 से मंत्रालय में मैनुअल फाइलों का प्रयोग पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा। ई-ऑफिस प्रणाली के लागू हो जाने से कागज की खपत में कमी आएगी, जिससे पर्यावरण संरक्षण में मदद मिलेगी। सरकार की यह पहल राज्य में न केवल आधुनिक प्रशासनिक बदलाव लाएगी, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में भी सहायक सिद्ध होगी।

डिजिटल रूप में निगरानी

ई-ऑफिस प्रणाली से फाइलों की डिजिटल रूप में निगरानी की जाएगी, जिससे कार्य में देरी करने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जा सकेगी। इस प्रणाली के लागू होने से मंत्रालय स्तर पर फाइलों का संचालन अधिक सुगम और ते? होगा। तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग ने यह पहल कर अन्य विभागों के लिए एक प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया है। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में यह कदम एक महत्वपूर्ण प्रयास है, जिससे राज्य में कागज के उपयोग में भारी कमी आएगी।

तीन चरणों में लागू किया

ई-ऑफिस प्रणाली को तीन चरणों में लागू किया जा रहा है, जिसमें पहले चरण में मंत्रालय स्तर पर 1 जनवरी से कार्यान्वयन होगा, दूसरे चरण में संचालनालयों में, और तीसरे चरण में जिलों में इसे अपनाया जाएगा। सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को ई-ऑफिस के माध्यम से प्रशिक्षण के लिए ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध कराई गई है, ताकि इस नई प्रणाली को सुगमता से अपनाया जा सके।

परीक्षा परिणाम तय समय में हो जारी इसके लिए डिजिटल मूल्यांकन

प्रक्रिया लागू करने की तैयारी

उच्च शिक्षा विभाग ने डिजिटल मूल्यांकन की दिशा में काम शुरू किया, सॉफ्टवेयर किया जाएगा तैयार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के विश्वविद्यालयों में परीक्षा और उसका परिणामों को तय समय में जारी करने के लिए अब उच्च शिक्षा विभाग डिजिटल मूल्यांकन की दिशा में काम कर रहा है। डिजिटल मूल्यांकन प्रक्रिया के तहत सभी परीक्षा केंद्रों से कापियां निर्धारित केंद्र पर जमा कराई जाएंगी। वहां कापियों को स्कैन कर एक सॉफ्टवेयर पर अपलोड किया जाएगा। परीक्षकों को इसी सॉफ्टवेयर पर पंजीकृत कर उनको लॉगइन, पासवर्ड जारी किया जाएगा। उसी से परीक्षक कापियों को खोल पाएंगे। इस सिस्टम में परीक्षक को यह जानकारी नहीं मिलेगी कि उत्तर पुस्तिका किस जिले, कॉलेज अथवा परीक्षार्थी की है। मूल्यांकन के साथ ही पत्रक पर अंक भी चढ़ा दिए जाएंगे। इस प्रक्रिया से मूल्यांकन का काम 15 दिन में पूरा हो जाएगा, 20 दिन में परिणाम जारी किए जा सकते हैं। हालांकि इसको लेकर फिलहाल आदेश जारी नहीं हुए हैं।

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय से शुरू करने की तैयारी-

प्रदेश में आठ राज्य विश्वविद्यालयों और उनसे संबद्ध 1323 महाविद्यालयों में करीब 14 लाख विद्यार्थी हर साल परीक्षाओं में बैठते हैं। डिजिटल मूल्यांकन प्रक्रिया की शुरुआत भोपाल के बरकतउल्ला विश्वविद्यालय से करने की तैयारी है। यहां करीब तीन हजार विद्यार्थियों की कापी जांची जाएगी। अगले सत्र से इसका विस्तार संबद्ध महाविद्यालयों की परीक्षाओं तक हो जाएगा।

इंदौर के देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में हुआ था प्रयोग

उच्च शिक्षा विभाग ने पिछले सत्र में इंदौर के देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में एक छोटी परीक्षा में डिजिटल मूल्यांकन का प्रयोग किया था। परिणाम बेहतर आए तो सभी विश्वविद्यालयों को इसका प्रस्ताव तैयार करने को कह दिया गया है।

मुख्यमंत्री से मंजूरी पर उप चुनाव के बाद किया जा सकता है फेरबदल

सीएस ने तैयार किया सीएमओ व मंत्रालय में बड़े बदलाव का खाका

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) और मंत्रालय में बड़ी प्रशासनिक सर्जरी का खाका तैयार कर लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से हरी झंडी के बाद इसे उप चुनाव में वोटिंग के बाद लागू किया जा सकता है।

ये हो सकता है

— सीएमओ में से कुछ अधिकारियों को बाहर किया जाकर इनकी जगह नए और अनुभवी अधिकारियों को मौका दिया जा सकता है। ये अधिकारी वित्तीय मामलों के जानकार हो सकते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि मप्र को राजस्व की चिंता सबसे पहले सता रही है, अभी सरकार कर्ज पर कर्ज ले रही है इसलिए जब तक राजस्व की बढ़ोतरी जैसे काम पर फोकस किया जाकर परिणाम नहीं लाए जाते, तब तक आर्थिक संकट दूर नहीं होने वाला है। सीएमओ की टीम में वित्तीय मामलों के विशेषज्ञ अधिकारियों की कमी दिखाई दे रही है।
— मंत्रालय के कई विभाग में ऐसे अधिकारियों को बैठाया है, जो संबंधित विभाग से जुड़े कामों के लिए फिट नहीं बैठते, जबकि ऐसे विभागों के लिए फिट बैठने वाले अफसरों को दूसरी जगह लगाकर रखा गया है, जहां वे आउटपुट ही नहीं दे पा रहे हैं।
— मंत्रालय स्तर पर व सीएमओं में कुछ अधिकारियों से जुड़ी छोटी—बड़ी शिकायतें हैं, सरकार बदलाव करते समय उन पर भी ध्यान दे सकती है।

इस आधार पर खाका तैयार करने की चर्चा

- उन अफसरों को मुख्यधारा से हटाया जा सकता है जो पर्याप्त अवसर दिए जाने के बावजूद विभागों में बेहतर परिणाम नहीं दिए।
- उन आईएएस अफसरों को नई जिम्मेदारी मिल सकती है, जो किसी न किसी काम में उच्च योग्यता रखते हैं लेकिन अभी लूप लाइन में है।
- यह बदलाव विकसित मप्र से विकसित भारत के लक्ष्यों को ध्यान में रखकर किया जाना है।

प्रदेश में 25 अक्टूबर से चल रही है समर्थन मूल्य पर सोयाबीन की खरीदी

22 नवंबर से ज्वार-बाजरा की खरीदी, 2 दिसंबर से धान बेच सकेंगे किसान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में 25 अक्टूबर से समर्थन मूल्य पर सोयाबीन की खरीदी चल रही है। अब 22 नवंबर से ज्वार व बाजरा की खरीदी शुरू की जाएगी। जबकि 2 दिसंबर से धान की खरीदी शुरू होगी। सोयाबीन खरीदी को शुरू हुए 18 दिन हो रहे हैं। अब तक खरीदी ने जोर नहीं पकड़ा है। 1400 में से 400 केंद्र ही शुरू हो सके हैं, इन पर भी अब तक महज 450 मीट्रिक टन ही आवक हुई है बाकी के 1000 केंद्र तो खुले ही नहीं हैं। खुले बाजार से समर्थन मूल्य कम होना, इसके पीछे बड़ी वजह बताई जा रही है। प्रदेश में सोयाबीन की खरीदी मार्कफेड द्वारा की जा रही है जबकि

खाद्य आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने धान, ज्वार व बाजरा की खरीदी के लिए नोडल एजेंसी नागरिक आपूर्ति निगम को बनाया है और सभी तैयारियां करने के निर्देश दिए है। किसान पहले ही पंजीयन करा चुके हैं। मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने विभाग व खरीदी एजेंसी को निर्देश दिए कि खरीदी प्रक्रिया में किसी भी तरह की लापरवाही न हो। ऐसा करते पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाही होगी। मंत्री ने किसानों को भी सलाह दी है कि उपज को ठीक से सुखाकर साफ कर लें, तब केंद्रों पर लेकर आएं, ताकि उपज को बेचने में किसी तरह की कोई असुविधा का सामना न करना पड़े। इसके बावजूद भी कोई परेशान करता है तो टोल फ्री नंबर पर शिकायत करें, तत्काल कार्रवाही की जाएगी।

रियायतें दे रही सरकार

आइटी कंपनियों को प्लग एंड प्ले की सुविधा, तुरंत शुरू कर सकेंगी काम

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में सूचना प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स उद्यमों को बढ़ावा देने के लिए बड़े नगरों में प्लग एंड प्ले की सुविधा दी जाएगी। इसके लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग और एमपीआइडीसी मिलकर काम कर रहे हैं। अभी केवल इंदौर के आइटी पार्क में प्लग एंड प्ले की सुविधा है। अब इंदौर में अतिरिक्त सुविधा के साथ भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर और रीवा में भी यह सुविधा शुरू की जाएगी। रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में आइटी और इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन एंड मैन्युफैक्चरिंग-ईएसडीएम क्षेत्र के निवेशकों ने इस सुविधा उपलब्ध कराने की बात कही थी। इसके बाद विभाग के प्रमुख सचिव संजय दुबे ने संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश दिए हैं। मप्र स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन द्वारा आइटी के लिए पांच लाख वर्ग फीट क्षेत्र का विकास किया जाएगा। इसके लिए शहरों के बीच में ही स्थान खोजे जा रहे हैं ताकि आइटी सेक्टर में काम करने वालों को शहर की नाइट लाइफ और व्यावसायिक गतिविधियों का भी लाभ मिल सके। अभी अधिकांश स्थानों पर बने आईटी पार्क शहर की सीमा पर बने हुए हैं। आइटी और ईएसडीएम सेक्टर के प्लग एंड प्ले सुविधा के तहत चुने गए शहरों में कॉमन फेसिलिटी सेंटर बनाए जाएंगे। यहां पर बिजली, पानी, कंप्यूटर, इंटरनेट, फर्नीचर, कैंटीन आदि की बेसिक सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। जरूरत के अनुसार केबिन आदि भी बनाकर दिए जा सकेंगे।

प्रदेश के स्कूलों में 31 दिसंबर से 4 जनवरी तक शीतकालीन अवकाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के स्कूली विद्यार्थियों के लिए काम की खबर है। स्कूल शिक्षा विभाग ने शीतकालीन अवकाश की घोषणा कर दी है। स्कूल शिक्षा विभाग ने आदेश जारी किया है कि 31 दिसंबर से 4 जनवरी तक प्रदेश में संचालित सभी सरकारी और निजी स्कूल बंद रहेंगे। जानकारी के मुताबिक मप्र स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि इस साल यानि इस शैक्षणिक सत्र में शीतकालीन अवकाश गुरुवार 31 दिसंबर 2024 से शनिवार 4 जनवरी 2025 तक रहेंगे , अगले दिन 5 जनवरी को रविवार का अवकाश रहेगा और स्कूल 6 जनवरी से शुरू होंगे।

संपादकीय

निर्णायक वक्त

जम्मू-कश्मीर में एक मुद्दत के बाद चुनाव हुए और वहां के लोगों ने अपनी सरकार को चुन लिया लेकिन आतंकी घटनाएं चुनाव के पहले भी होती रहीं और अब चुनाव के बाद भी यही स्थिति है। अब गृह मंत्री ने जल्दी आतंक-निरोधक राष्ट्रीय नीति लाने की बात कही है। पिछले कुछ समय से जम्मू-कश्मीर के अलग-अलग जिलों में सुरक्षा बलों या अप्रवासी मजदूरों पर लक्षित हमलों के जरिए चुनौती दी जा रही है। खासकर जम्मू-कश्मीर में सरकार बनने के बाद ऐसी घटनाओं में तेजी आई है। माना जा सकता है कि आतंकी संगठन सुनियोजित रणनीति के साथ काम करते हैं मगर मुश्किल है कि कुछ नई परिस्थितियां बनने के बाद जब भी इस समस्या के खत्म होने या उस पर काबू पाने की उम्मीद बंधती है, तो आतंकी कोई न कोई ऐसी हरकत कर देते हैं कि इस पर नए सिरे से काम करने की जरूरत पड़ जाती है। गौरतलब है कि किश्तवाड़ जिले के ऊपरी इलाके में आतंकवादियों ने दो ग्राम रक्षा गार्ड की गोली मार कर हत्या कर दी। खबरों के मुताबिक, पाकिस्तानी ठिकानों से संचालित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े 'कश्मीर टाइगर्स' ने इन हत्याओं की जिम्मेदारी ली है। दरअसल, कश्मीर के हित का दावा करने वाले आतंकी संगठनों का असली मकसद भारत और जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद का माहौल बनाए रख कर अपने पाकिस्तानी आकाओं के सियासी हित को पूरा करना है। भारत ने इस हकीकत को ध्यान में रखते हुए हर स्तर पर आतंकवाद का खात्मा करने के लिए अभियान चलाया है। ताजा घटना में बारामूला में सुरक्षा बलों ने दो आतंकियों को मार गिराया है। कई और भी मुठभेड हुई हैं। मगर यह बात साफ है कि ऐसे लगातार हमलों के पीछे इससे उपजी हताशा काम कर रही है कि आतंकवाद की सियासत के बावजूद जम्मू-कश्मीर के लोगों की शांति की इच्छा और उसके लिए सक्रियता को कम नहीं किया जा सका है। इसीका उदाहरण वहां हुआ चुनाव बना है। इस विधानसभा चुनाव के बाद गठित सरकार है, जिसमें वहां के आम लोगों ने बढ़-चढ़ कर मतदान किया और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की। आतंकवाद को एक हथियार के तौर पर इस्तेमाल करने वाले संगठनों और उनके पीछे खड़ी ताकतों के लिए यह निश्चित रूप से परेशान करने वाली बात थी। अब स्पष्ट है कि आतंकी हमलों में आम लोगों की जिस तरह हत्याएं की जा रही हैं, वह उसी से उपजी हताशा का नतीजा है। जरूरत इस बात की है कि कश्मीर में चुने गये सभी जनप्रतिनिधि राज्य में शांति और खुशहाली के लिये मिलकर नये रोडमैप बनायें। विधानसभा में सारगर्भित चर्चा हों और दलगत खाईयां सदन के भीतर पटें। लेकिन करीब छह साल बाद जब जम्मू-कश्मीर विधानसभा का सत्र हुआ तो हर दिन हंगामेखेज रहा। यहां तक कि पांचवें और सत्र के अंतिम दिन भी अनुच्छेद 370 और 35 -ए पर सदन में पास किए गए प्रस्ताव को लेकर हंगामा, हाथापाई और शोर-शराबा देखने को मिला। सभी दलों को चाहिये कि वे वैचारिक दूरी को पाटें और सर्वसम्मत तरीके से आगे बढे। कश्मीर का आम अवाम की यही मंशा है। वरना हो सकता है कि राजनीतिक खींचतान में राज्य के विकास की गति फिर थमने लगे। ऐसा होगा तो आतंकी गति?विधियों पर काबू के प्रयास भी मुश्किल बने रहेंगे। यह वक्त राजनीतिक,प्रशासनिक तौर पर निर्णायक पैंतरा अपनाने का है।

बुद्धिमान व्यक्ति को सारस की भाँति अपनी इन्द्रियों को वश में करना चाहिए और अपने स्थान, समय और योग्यता को जानकर अपने उद्देश्य को पूरा करना चाहिए।

-चाणक्य

आज का इतिहास

- 1208- ओत्तो वान विटल्सबाश को जर्मनी का राजा चुना गया।
- 1745- चार्ल्स एडवर्ड स्टुअर्ट उर्फ बोनी प्रिंस चार्ली की सेना इंग्लैंड में घुसी।
- 1809- ब्रिटिश आधिपत्य के विरुद्ध विद्रोह करने के लिए लोगों का आह्वान करते हुए एक घोषणा निकाली जो कुण्डरा घोषणा नाम से जानी जाती है।
- 1811- कार्टाहेना कोलंबिया ने स्पेन से खुद को स्वतंत्र घोषित किया।
- 1836- चिली ने बोलीविया और पेरु के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
- 1905- द प्रिंस ऑफ़ वेल्स ने द प्रिंस ऑफ़ वेल्स संग्रहालय की नींव रखी थी।
- 1918- पोलैंड ने खुद को स्वतंत्र देश घोषित किया।
- 1937- अमेरिका के क्लिंटन डेविसन और इंग्लैंड के सर जीपी थॉमसन को भौतिकशास्त्र का नोबेल पुरस्कार दिया गया।
- 1962- कुवैत की नेशनल असेंबली ने संविधान को स्वीकार किया।
- 1966- अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने अंतरिक्ष यान 'जेमिनी-12' लांच किया।
- 1973- पहली अंतरराष्ट्रीय डाक टिकट प्रदर्शनी नयी दिल्ली में शुरू।
- 1975- अंगोला को पुर्तगाल से आजादी मिली।
- 1978- मॉमून अब्दुल गयूम मालदीव के राष्ट्रपति बने।
- 1982- इजरायल के सैन्य मुख्यालय में गैस विस्फोट में 60 लोगों की मौत।
- 1985- एड्स थीम पर आधारित पहली टीवी फ़िल्म 'एन अर्ली फ्रोस्ट' अमेरिका में प्रदर्शित की गयी।
- 1989- बर्लिन की दीवार गिराने की शुरुआत।
- 1995- नाइजीरिया में मानवाधिकार कार्यकर्ता केन सारो वीवा तथा उनके 8 सहयोगियों को फांसी दिये जाने के कारण विश्व भर में नाइजीरिया की भर्त्सना।
- 2000- ऑस्ट्रिया में सुरंग से गुजरती हुई ट्रेन में आग लगने से 180 लोगों की मृत्यु।
- 2001- दोहा बैठक में डब्ल्यूटीओ ने भारत का समर्थन किया।
- 2002- ईरान की संसद ने देश की कट्टर न्यायपालिका के अधिकारों में कटौती करने वाले विधेयक को मंजूरी दी।

निशाना

बड़े बड़े ऐलान !

-कृष्णेन्द्र राय

झटपट में वो कर रहे ।
बड़े बड़े ऐलान ।।
करके ऐसा चाह रहे ।
बन जाना महान ।।
मिलना कितना फल ?
है भविष्य के गर्भ ।।
हट गए पर उससे ।
बात जिस संदर्भ ।।
कितना किया प्रयास ।
रखा जनमत मान ।।
शायद उनको लगता है ।
है सांसत में जान ।।
करके अब गुमराह ।
मुद्दे से भटकाव ।।
सुधरे ना तुंरत यदि ।
तय मिलना है घाव ।।

चुनावी राजनीति के दंगल में नियमों और मूल्यों की तलाश

■ आलोक मेहता

झारखण्ड और महाराष्ट्र के चुनाव में कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गाँधी के प्रचार अभियान में उनके गठबंधन के सहयोगी विवादास्पद नेताओं पर सवाल उठ रहे हैं। कहा जा रहा है कि झारखंड में हत्या के आरोप में अदालत से आजीवन कारावास तक के निर्णय से पहले केंद्र में मंत्री रहते भगोड़े घोषित नेता की पार्टी को या महारष्ट्र में सबसे भयावह दंगे और बम विस्फोटों और कुख्यात अपराधी आतंकी दाऊद इब्राहिम से संबंधों के आरोप झेलने वाले नेता की पार्टी के लिए राहुल गाँधी और अन्य बड़े नेताओं को कोई हिचकिचाहट नहीं हो रही है ? तब मुझे कांग्रेस पार्टी में वर्षों तक उठती रही घटनाओं और तथ्यों का ध्यान आया। एक उदाहरण दे सकता हूँ। एक पत्र का अंश है - 'राजनीति में ऐसे लोगों को स्थान मिल रहा है जिनके चरित्र के सम्बन्ध में जितना ही कहा जाए थोड़ा है।

प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष ऐसे महाशय हैं जो 1942 में वार फंड के लिए चंदा इकठ्ठा करते थे और जो कई अपराधों के लिए दोषी ठहराए गए हैं। अभी राज्य सभा में कांग्रेस की ओर से एक ऐसे सज्जन को चुना गया , जो 1942 में पुलिस इनफॉर्मर था और जिनका नाम फाइलों में दर्ज था। शासन के सम्बन्ध में कुछ कहना व्यर्थ है।' यह पत्र प्रतिपक्ष के किसी नेता ने नहीं लिखा था। यह पत्र 28 मार्च 1960 में कांग्रेस के चाणक्य माने जाने वाले पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र ने देश के राष्ट्रपति डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद को लिखा था। उनके पत्रों के दस्तावेज में यह पढ़ा जा सकता है। इसलिए कांग्रेस की वर्तमान दशा दिशा पर चिंता या आशचर्य नहीं किया जाना चाहिए।

विधान सभा चुनावों में सचमुच नेता गिरगिट की तरह रंग ढंग चाल चरित्र बदल रहे हैं। सबसे बड़ी मुश्किल कांग्रेस के प्रादेशिक नेताओं , उम्मीदवारों और कार्यकर्ताओं की है। वह उद्धव आदित्य ठाकरे के लिए भगवा रंग पहने , उनकी जय बोलें या शरद सुप्रिया पवार और उनके कथित वोट बैंक के लिए हरा रंग , इबादत के लिए हाथ फैलाएं। जीवन भर इंदिरा , राजीव , सोनिया , राहुल गाँधी के लिए शरद पवार के साथियों से संघर्ष करते रहे , अब उनको कंधे पर बैठाएं या उनकी दया के लिए चरण वंदना करें। सबसे दिलचस्प बात यह है कि हरियाणा के 'आया राम गया राम' से कई गुना अधिक धोखा शरद पवार इंदिरा गाँधी से लेकर प्रदेश के वसंत दादा पाटिल और प्रतिभा पाटिल तक कई बार खेमे बदल विद्रोह करते रहे थे। पार्टियां भी बनाई। प्रधान मंत्री राष्ट्रपति बनने के सपने बुनने के साथ जोड़ तोड़ करते रहे। अब बेटी सुप्रिया को सत्ता यानी मुख्यमंत्री बनवाने के लिए सारे दांव पेंच लगा रहे हैं। इस मुद्दे पर भाजपा , शिव सेना , राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता या कार्यकर्त्ता की बात भी उठ सकती है , लेकिन यहाँ भाजपा शिव सेना के नेता कार्यकर्त्ता तो दशकों से एक साथ लगभग एक जैसी विचारधारा पर काम करते रहे हैं और अजित पवार तथा साथी उनके राष्ट्रवाद से सहमत और देवेंद्र फडणवीस के साथ संबंधों के अलावा सत्ता में भागेदारी का लाभ ले रहे हैं। हाँ सब अपना अस्तित्व और शक्ति बढ़ाने की कोशिश तो करेंगे।

झारखण्ड के लिए कांग्रेस और झारखण्ड मुक्ति मोर्चा - सोरेन परिवार के बीच प्रदेश के गठन से पहले की लड़ाई , फिर सत्ता के लिए दोस्ती से भ्रष्टाचार , अपराध की बदनामी साझा करना जंगल में तीर चलाने जैसा है। शिबू सोरेन ने नरसिंहा राव से मनमोहन सिंह सरकार का साथ देने में उन्हें शर्मसार करने वाले हर तरीके अपनाए। बेटे हेमंत सोरेन मुख्यमंत्री बनकर भी पिता की तरह गंभीर आरोपों में फंसे हुए हैं। झारखण्ड के गठन की मांग को लेकर हो रहे आंदोलन के दौरान मैं पटना में तीन वर्ष सम्पादक रहा , इसलिए शिबू सोरेन और सूरज मंडल की गतिविधियों को देखते समझते रहा और फिर दिल्ली में संसद में भेंट होती रही। अफ़सोस इस बात का है कि शिबू सोरेन ने भी लालू यादव की तरह केवल सत्ता , धन बल और परिवार को ही प्राथमिकता दी। जिन आदिवासियों के लिए प्रदेश बना , उनके हितों और उत्थान के लिए समुचित काम नहीं किए। यही नहीं कुछ पुराने आदिवासी साथियों को भी दूर कर दिया। गरीब और भोले कुछ आदिवासी गांवों को आज भी उनसे उम्मीदें रहती हैं।

आदिवासियों पिछड़ी जातियों के नाम पर आजकल राहुल गांधी हर जगह बोल रहे हैं। इसी तरह बड़े पूंजीपतियों को महत्व देने को लेकर प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार और भाजपा पर हमले कर रहे हैं। उन्हें उनकी पार्टी के नेता न सही कोई समर्थक आलोचक क्यों नहीं याद दिलाते कि मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ (विभाजन के पहले या बाद) दिलीप सिंह भूरिया , कांतिलाल भूरिया , अरविन्द नेताम जैसे इंदिरा युग से वफादार आदिवासी नेताओं को मुख्यमंत्री क्यों नहीं बनाया ? उत्तर प्रदेश , बिहार , झारखण्ड में कितने पिछड़े या दलित या आदिवासी कांग्रेसी मुख्यमंत्री बनाए ? अजित जोगी पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों की फाइलें पार्टी के वर्षिष्ठ नेता देते रहे तब भी उन्हें पहले सांसद और फिर मुख्यमंत्रीं क्यों नामजद किया? बिहार में सिद्धेश्वर प्रसाद जैसे ईमानदार पिछड़े नेता को कभी मुख्यमंत्री या सीताराम केसरी को प्रधान मंत्री के रुप में पेश क्यों नहीं किया ? जहाँ तक पूंजीपतियों की बात है , नेहरु से मनमोहन राज तक टाटा , बिड़ला , अम्बानी , अडानी , डालमिया जैसे पूंजीपतियों को सरकार से सर्वाधिक समर्थन मिला तभी तो नरेंद्र मोदी के सत्ता काल में वे और तेजी से आगे बढ़कर बहुराष्ट्रीय कंपनियों का मुकाबला कर सके। क्या उन्हें किसी सलाहकार ने यह नहीं बताया कि मनमोहन सिंह के सत्ता काल में भी अडानी समूह का एक कारखाना चीन के शंघाई के औद्योगिक नगर में लग गया था। मेरे जैसे पत्रकार उस समय वह उपनगर और ऐसी कंपनियों को देख आए थे ? क्या कांग्रेस पार्टी और कई प्रमुख नेता इन समूहों से पार्टी या चुनावी फंड नहीं लेते रहे ? राहुल गाँधी पद यात्रा के अलावा जिन विशेष विमानों से उड़ते हैं , क्या वे किसी साधारण कार्यकर्ताओं के होते हैं ? रिकॉर्ड देखिये , दिवालिया घोषित बेईमान जेट एयर लाइंस और इसके मालिक को सर्वाधिक फायदा सुविधा क्या कांग्रेस राज में नहीं मिली ? जहाँ तक मीडिया की बात है पहले पार्टी के और बाद में आपकी अपनी बनाई कंपनी में कितने पत्रकार पिछड़ी जाति या आदिवासी समुदाय के हैं ? राहुल गाँधी को हिंदी की एक प्रसिद्द पंक्तियाँ याद दिलाने की जरुरत है 'बुरा जो देखन मैं चला तो मुझसे बुरा न कोई ।' (मैं तो अपने लिए भी इस पंक्ति को स्वीकार कर सकता हूँ , ताकि सुधरने का प्रयास कर सकूँ)

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, यह उनके विचार हैं)

तेल की धार : जारी है जनता पर महंगाई की मार

■ भूपेन्द्र गुप्ता

अभी-अभी कमर्शियल गैस कनेक्शन की कीमतों में 62 रुपए प्रति सिलेंडर की वृद्धि कर दी गई है। सरकार इस बात की बार-बार दुहाई दे रही है कि पेट्रोल और डीजल की कीमतें तो स्थिर हैं।

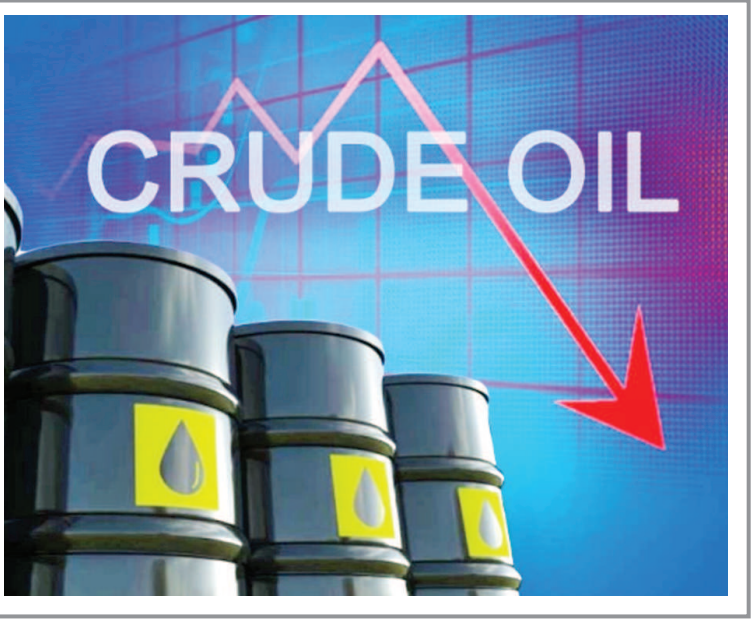

सन् 2014 में जब सरकार ने तेल की कीमतों में निरंतर वृद्धि की थी और पेट्रोल 59 रुपये प्रति लीटर से उछलते उछलते 108 रुपये तक पहुंच गया था, तब बार-बार सरकार यह बताती थी कि तेल की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार पर निर्भर रहती हैं। जैसे-जैसे दुनिया में कच्चे तेल की कीमत बढ़ती हैं वैसे-वैसे पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ाना सरकार की मजबूरी है।

यह नीति मनमोहन सिंह की यूपीए सरकार ने तब बनाई थी जब कच्चा तेल 120डालर प्रति बैरेल पर घूम रहा था और कीमतों के दबाव से बचने के लिए उन्होंने आइल पूल डिफिसिट फंड बनाया था वह बाजार के उतार-चढ़ाव को एब्जार्व करता था। इसीलिये कच्चा तेल 124 डालर होने के बावजूद पेट्रोल 58-59 रुपये लीटर मिल रहा था।

अभी-अभी मोदी सरकार के मंत्री हरदीप सिंह पुरी कई तथ्यों के साथ सामने आए हैं । उन्होंने खुलासा किया है कि देश ने जैव ईंधन यानि एथेनाल के मिश्रण से लगभग एक लाख 6 हजार करोड़ की विदेशी मुद्रा बचाई है।विचारणीय है कि

मनमोहन सिंह की यूपीए सरकार ने जब एथनाल नीति बनाई थी तो उसका आशय यही था कि आयात निर्भरता घटाकर आम उपभोक्ता को लाभ पहुंचाया जाये ।

वर्ष 2014 तक मिश्रित ईंधन की कैलोरिक गुणवत्ता प्रायोगिक और शुरुआती दौर में थी,अतः एथेनाल का प्रयोग पेट्रोल की कुल खपत का 1.53 फीसदी तक ही था।यह खपत अब 2023-24 में कुल खपत के 15 फीसदी तक पहुंच गई है ।लेकिन इस बचत का लाभ न तो उपभोक्ता को ही मिल रहा है न ही आयात निर्भरता में कमी ही आई है।2014 में हमारी सकल घरेलू खपत के मुकाबले आयात निर्भरता लगभग 70 फीसदी थी जो अब बढ़कर बकौल मंत्री हरदीप सिंह के 88 फीसदी पर पहुंच चुकी है।इसे नौ दिन चले अढ़ाई कोस ही कहा जा सकता है।क्योंकि अगर नीतियां सात-आठ साल में भी परिणाम न दें तो उनकी समीक्षा लाजिम हो जाती है।

इनवेस्टमेंट इनफार्मेशन एंड क्रेडिट कंपनी (ईक्रा) की रिपोर्ट बताती है कि कच्चे तेल की कीमतें 12 फीसदी कम हुई है। रूस ने हमें बाजार से सस्ता क्रूड आइल देकर विगत तीन साल से निहाल किया है ।

इसका लाभ न तो उपभोक्ता को मिला न ही अर्थव्यवस्था को।विभिन्न तकनीकि अनुमान बताते हैं कि अगर एक डालर प्रति बैरैल कच्चे तेल की कीमत घटती है तो कंपनियों को 13 हजार करोड़ की बचत होती है।कच्चा तेल 84 डालर प्रति बैरेल से घटकर 72 डालर पर आ गया है यानि 12 डालर प्रति बैरेल कीमतें गिर गई हैं। जबकि एक सरकारी आंकड़े के अनुसार मार्च से अब तक 15 रुपये प्रति लीटर पेट्रोल और 12 रुपये प्रति लीटर डीजल पर मुनाफा बढ़ गया है।60 हजार करोड़ की आयात बिल में बचत हुई है।

544 लाख टन कार्बन उत्सर्जन में कमी आयी है। देशी सरकारी कंपनियों इंडियन आइल को 39 हजार 619 करोड़,भारत पेट्रोलियम को 26हजार 673 करोड़ एवं हिन्दुस्तान पेट्रोलियम को 14 हजार 694 करोड़ का मुनाफा हुआ है अगर इसी अनुपात में कीमतें भी घटतीं तो परिवहन कास्ट कम से कम 20 फीसदी नीचे आ जाती ।

परिवहन घटता तो उत्पादन की कीमतें घटतीं, मंहगाई नीचे आती आम नागरिक के जेब में पैसा बचता तो आर्थिक गतिविधियां तेज होतीं। खपत बढ़ती है और इस मुनाफे की खुशी भारत के आम व्यक्ति के चेहरे पर भी झलकती। तेल की कीमतों की बाजार से संबद्धता की नीति भी केवल जुमला साबित हुई है। करोड़ों उभोक्ताओं क्रूड आइल की बढ़ती कीमतों के दौर में में सरकार और कंपनियों का साथ दिया है लेकिन कंपनियाँ घटती कीमतों के दौर में जनता का साथ देने से बच रहीं हैं। जब पतली है तेल की धार तो क्यों जारी है मार .. !!

(लेखक कांग्रेस से संबंध्द है यह उनके विचार हैं)

बूढ़ी माता मंदिर और द्वारकाधीश बड़ा मंदिर में छप्पन भोग अन्नकूट का आयोजन

इटारसी, दोपहर मेट्रो

शहर के सबसे प्राचीन श्री बूढ़ी माता मंदिर एवं शहर के सबसे बड़े द्वारकाधीश बड़ा मंदिर में आंवला नवमी के पावन पर्व अवसर पर रविवार को छप्पन भोग अन्नकूट का आयोजन किया गया। दोनों मंदिरों की समितियों द्वारा अन्न प्रसादी वितरण की व्यवस्था बेहतर ढंग से की गई। भक्तों ने लंबी-लंबी कतारें बनाकर प्रसाद ग्रहण किया है।

आंवला नवमी पर नागरिकों ने भगवान श्रीहरि विष्णु जी से प्रार्थना की कि सभी की मनोकामनाएं पूर्ण करें, जीवन में सुख, समृद्धि, संपन्नता की वृद्धि हो, और सब पर कृपा बनाए रखें।

श्री द्वारकाधीश बड़ा मंदिर

श्री बूढ़ी माता मंदिर

कलेक्टर ने रिनोवेशन के कार्यों का किया अवलोकन

पचमढ़ी क्षेत्र में 2 लीटर से कम की प्लास्टिक बोतल को प्रतिबंधित किया

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

पर्यटन क्षेत्र पचमढ़ी को प्लास्टिक मुक्त करने के लिए अभिनव प्रयास किए गए हैं । इसके तहत 2 लीटर से कम की प्लास्टिक बोतल को पचमढ़ी में प्रतिबंधित किया गया है। केंट बोर्ड साडा क्षेत्र एवं सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के जंगलों में पर्यटक 2 लीटर से कम की प्लास्टिक बोतल इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। पचमढ़ी को प्लास्टिक मुक्त बनाने का यह अभियान विगत एक माह से चल रहा है और इसमें अभूतपूर्व सफलता मिल रही है। पचमढ़ी क्षेत्र के सभी दुकान में प्लास्टिक की बोतल अब नहीं मिल रही है। पचमढ़ी क्षेत्र के सभी लोग एवं आने वाले पर्यटक पचमढ़ी को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए विशेष सहयोग कर रहे हैं। वही साडा के अंतर्गत संचालित न्यू होटल में भी अधो संरचना विकास के कार्य किए जा रहे हैं। न्यू होटल के कमरों का रिनोवेशन का कार्य प्रारंभ किया गया है। साथ ही सिवरेज लाइन एवं वाटर सप्लाई लाइन का भी अभी रिनोवेशन किया जा रहा है। गत दिवस कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना स्वयं न्यू होटल पहुंचकर किए जा रहे रिनोवेशन के कार्यों का अवलोकन किया। न्यू होटल को बजट फ्रेंडली बनाया गया है। निम्न एवं मध्यम आय वर्ग के पर्यटकों के लिए विशेष सुविधाएं देते हुए किराए में वृद्धि नहीं की गई है किराया पूर्ववर्ती रखा गया है। न्यू होटल में एक एसी रूम का किराया 1000 रुपए एवं नॉन एसी का किराया 750 रुपए यथावत रखा गया है। जो निम्न एवं मध्यम वर्ग के पर्यटकों के बजट के अंतर्गत है।

- न्यू होटल को बजट फ्रेंडली बनाया गया है
- पचमढ़ी में कचरे का वैज्ञानिक पद्धति से निष्पादन हो रहा है
- क्लीन पचमढ़ी पर्यटकों को आकर्षित कर रही है

पचमढ़ी में एक और अभिनव पहल शुरु

पचमढ़ी में एक और अभिनव पहल की गई है, अब पचमढ़ी का कचरा केंट बोर्ड के कचरा प्लांट में निष्पादित किया जा रहा है। साडा सीईओ नीरज श्रीवास्तव ने बताया कि पचमढ़ी साडा एवं एसटीआर का कचरा पृथक पृथक कर गिले एवं सुखे कचरे में विभाजित कर केंट बोर्ड के कचरा प्लांट में उसे वैज्ञानिक पद्धति से डिस्पोजल किया जा रहा है। यह कार्य 1 नवंबर से प्रारंभ है। इससे पचमढ़ी साफ और क्लीन दिखाई दे रही है। नई एवं बदली हुई पचमढ़ी पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है।

इटारसी व्यापार महासंघ का विराट दीवाली मिलन समारोह संपन्न

व्यापारियों की समस्याओं के समाधान की सांसद और विधायक ने दी गारंटी

इटारसी, दोपहर मेट्रो

माल गोदाम के उचित स्थान पर ही ट्रांसफर,इटारसी में बड़े उद्योग की स्थापना, सहित व्यापारियों की सभी प्रमुख समस्याओं के समाधान और इटारसी के व्यापार को जिले में नंबर वन बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ने की मैं आपको गारंटी देता हूं। उक्त उद्गार सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने इटारसी व्यापार महासंगठन के विराट दीवाली मिलन कार्यक्रम में करीब 600 व्यापारियों की उपस्थिति में अभिव्यक्त किए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विधायक डॉ सीतासरन शर्मा ने भी उपरोक्त समस्याओं सहित पार्किंग, ऑन लाइन व्यापार, सड़कों पर चल रही सेल, सहित अन्य सभी समस्याओं के समाधान का विश्वास दिलाया। उन्होंने कहा कि मॉल सांस्कृति की समस्या की आप चिंता मत कीजिए,यह सब अस्थाई ही हैं,धीरे धीरे चले जायेंगे। इटारसी का व्यापार कम नहीं होने देंगे। उन्होंने आर एम एस ऑफिस की खाली पड़ी जमीन और रेलवे की अन्य कुछ खाली पड़ी जगहों को पार्किंग हेतु नपा इटारसी को दिलवाने हेतु सांसद से सहयोग मांगा। प्रारंभ से स्वागत उद्बोधन संयोजक धर्मदास मिहानी ने दिया। संरक्षक विश्वनाथ सिंघल और सतीश सांवरिया ने इंडस्ट्री की समस्याओं को उठाया। अध्यक्ष मुकेश जैन का जन्मदिन मनाया गया। हरीश अग्रवाल ने सचिवीय प्रतिवेदन रखा तो संगठन मंत्री कैलाश नवलानी ने मालगोदाम विषयक ज्ञापन का वाचन किया। कोषाध्यक्ष विक्रांत बड़कुल ने हर वार्ड में संस्था का संगठन और वार्ड अध्यक्ष बनाने की जानकारी दी। संरक्षक चंद्रकांत अग्रवाल ने अतिथियों के आने के पूर्व हुए ओपन फोरम में विभिन्न व्यापारियों द्वारा व्यक्त की गई समस्याओं का संक्षिप्त ब्यौरा सांसद,विधायक के समक्ष रखा। महासंगठन की युवा शाखा के गठन की घोषणा की गई। जिसमें अध्यक्ष अर्जुन भोला,सचिव संदेश अग्रवाल,संगठन सचिव विपिन चांडक आदि पदाधिकारियों को अतिथियों ने पुष्प गुच्छ भेंट कर शुभ कामनाएं दीं। ओपन फोरम में उपाध्यक्ष राहुल चेलानी, पयोज खंडेलवाल,किशन चंदवानी,संरक्षक द्वय सतेंद्र पाल सिंह जग्गी,पंकज राठौर,पप्पू महाराजा ट्रांसपोर्ट आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन संरक्षक चंद्रकांत अग्रवाल ने और आभार प्रदर्शन युवा शाखा अध्यक्ष अर्जुन भोला ने व्यक्त किया।

उद्योगों के साथ रोजगार के अवसरों के सृजन के लिए लगातार जारी है प्रयास : सीएम

नर्मदापुरम। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के संतुलित औद्योगिक विकास और रोजगार संवर्धन के लिए संभाग स्तर पर रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव और प्रदेश के बाहर महानगरों में निवेश के लिये हुए रोड-शो से देशभर से सकारात्मक परिणाम मिले हैं। फरवरी 2025 में भोपाल में होने वाली ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट तक यह क्रम जारी रहेगा। आगामी 7 दिसम्बर को नर्मदापुरम में संभाग स्तरीय इंडस्ट्री कॉन्क्लेव होगी, जिसमें निवेशकों को नर्मदापुरम क्षेत्र की संभावनाओं से जोड़ते हुए, प्रदेश की आर्थिक बेहतरी के लिए गतिविधियां प्रस्तावित हैं। कॉन्क्लेव में सभी सेक्टर्स के उद्योगपतियों को आमंत्रित किया गया है, जिससे आईटी, हेल्थ, एजुकेशन, टूरिज्म, भारी उद्योग, एमएसएमई, लघु कुटीर उद्योग सहित सभी प्रकार के उद्योग धंधों के माध्यम से राज्य के लोगों के लिए अधिक से अधिक रोजगार के अवसर सृजित किए जा सकें। राज्य सरकार के इन प्रयासों के सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश में निवेश को बढ़ाने के लिये इसी माह हम विदेश भी जाने वाले हैं। जहाँ विदेशी उद्योगपतियों को मध्यप्रदेश में उद्योग लगाने के लिये राज्य सरकार की नीतियों और यहाँ के औद्योगिक वातावरण से अवगत करा कर आमंत्रित करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि प्रदेश में बेहतर आर्थिक वातावरण बने, लोगों को रोजगार के बेहतर अवसर मिलें, युवाओं को अपनी बौद्धिक क्षमता के अनुरूप स्थानीय स्तर पर काम मिलें, उन्हें रोजगार के लिए बाहर नहीं जाना पड़े, इस दिशा में सरकार लगातार प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास से मीडिया को जारी संदेश में यह बात कही।

मतदाता पोलिंग बूथ पर मतदाता सूची में देख सकेंगे अपना नाम

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चुनाव के पोलिंग बूथों पर जहां आप अपना वोट डालते हैं, वहां 28 नवंबर तक सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक फोटो मतदाता सूची प्रदर्शित की जायेगी, जिसे देखकर आप यह सुनिश्चित कर सकते हैं, कि आपका नाम मतदाता सूची मे है, या नहीं। यदि है तो उसमे कोई गलती तो नहीं है,यदि कोई गलती है, तो आप सुधारने हेतु फार्म भर सकते हैं। इस के अतिरिक्त नए वोटर कार्ड के लिए नए फॉर्म भरा जाएगा। नया वोटर कार्ड बनवाने के लिए ये कागजात साथ लेकर जाएं भारत निर्वाचन आयोग ने उन मतदाताओं को निर्देश दिए है कि वे अपना नया वोटर कार्ड बनाने के लिए अपने बीएलओ के पास जाए एवं अपने साथ एक रंगीन पासपोर्ट साइज फ़ोटो, आधार कार्ड की फ़ोटो कॉपी, जन्मतिथि प्रमाण-पत्र की फ़ोटो कॉपी, 18 वर्ष की होनी चाहिए तथा घर के किसी एक सदस्य के वोटर कार्ड की फ़ोटो कॉपी अनिवार्य रूप से लेकर जाना होगा।

महिलाओं ने मनाया आंवला नवमी का पर्व

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

आंवला नवमी के पावन पर पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा महिला इकाई द्वारा समस्त कायस्थ महिलाओं के द्वारा आंवला नवमी का पर्व आंवला के वृक्ष की पूजन कर पवित्र परिक्रमा करने के बाद नेहरू पार्क में उत्साह से मनाया गया। सभी महिलाओं के बीच बहुत सारे गेम्स हुए पुरस्कार वितरण किए गए सभी ने साथ में मिलकर भोजन किया और सामाजिक संगठन को मजबूत बनाने की चर्चाएं की इस अवसर पर मुख्य रूप से नवनियुक्त महिला कार्यकारिणी की जिला अध्यक्ष श्रीमती नीतू श्रीवास्तव का स्वागत ,किया गया और समस्त पदाधिकारी श्रीमती प्रीति खरे सुमन वर्मा ख्याति सक्सेना, सोनिया श्रीवास्तव, ऊषा वर्मा, ज्योति वर्मा शीतल सक्सेना , सारिका सक्सेना, श्रद्धा, प्रियंका, विनीता ममता अनीता नीतू देवयानी सीमा किरन रितु किरन राजश्री सहित अन्य महिलाएं शामिल हुई।

मेट्रो एंकर मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार संपन्न कराए गए न्यायोत्सवः विधिक सेवा सप्ताह का समापन

राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस पर मैराथन दौड़ एवं विधिक जागरूकता प्रदर्शनी आयोजित

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सेशन न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, नर्मदापुरम के मार्गदर्शन में एवं शशि सिंह जिला न्यायाधीश सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नर्मदापुरम के नेतृत्व में राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली, म. प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, नर्मदापुरम की निःशुल्क विधिक सहायता को जन सामान्य तक न्याय की पहुंच सुलभ बनाने के उद्देश्य को साकार करने हेतु मैराथन (सद्भावना) दौड़ का आयोजन किया गया।

उक्त मैराथन (सद्भावना) दौड़ का प्रधान न्यायाधीश, कुटुंब न्यायालय, श्री प्रियदर्शन शर्मा विशेष न्यायाधीश मनोज कुमार, अपर कलेक्टर डॉ. बबिता राठौर ने हरी झण्डी दिखाकर दौड़ को प्रारंभ किया गया। मैराथन (सद्भावना) दौड़ में लगभग 700 विभिन्न महाविद्यालय, विद्यालयों एवं अन्य संस्थाओं के विद्यार्थियों के द्वारा भाग लिया गया। पुरुष वर्ग में सुनील कलमे प्रथम, ओमप्रकाश भलावी द्वितीय, सौम्य परदेशी तृतीय स्थान पर रहे। बालिका वर्ग में कुमारी हविश प्रथम कु. निकिता काकोडिया द्वितीय, जीना भल्लावी ने तृतीय स्थान पर रहे।

मैराथन दौड़ के समापन उपरांत पुरुष एवं महिला वर्ग के विजेताओं के प्रधान जिला एवं सेशन न्यायाधीश एवं अतिथियों द्वारा पुरस्कार एवं प्रशस्ति प्रमाण पत्र प्रदान किये गये। मैराथन दौड़ में भाग ले रहे प्रतिभागियों को नालसा के लोगों वाली टोपी एवं टी-शर्ट एवं स्वल्पाहार पैकेट वितरित किये गए।

एडीआर प्रांगण में आयोजित विधिक जागरूकता प्रदर्शनी का श्रीमान प्रधान सेशन न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नर्मदापुरम द्वारा शुभारंभ किया गया। प्रदर्शनी में राष्ट्रीय एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की योजना के प्रदर्शन के साथ साथ म0प्र0 शासन की योजनाओं के तहत जेल विभाग, महिला एवं बाल विकास सामाजिक न्याय विभाग, श्रम विभाग, नगर पालिका कृषि विभाग, वन स्टॉप सेंटर आदिम जाति कल्याण विभाग के द्वारा भी अपनी योजना के संबंध में प्रदर्शनी में भाग लेकर योजनाओं का प्रचार प्रसार किया।

उपरोक्त दोनों आयोजनों में सिटी मजिस्ट्रेट बृजेन्द्र रावत, संयुक्त कलेक्टर अनिल कुमार जैन, जिला न्यायाधीश जफर इकबाल, अभिनव कुमार जैन, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती रितु वर्मा कटारिया, न्यायाधीश शिव चरण पटेल, श्रीमती रूचि पाण्डेय, स्वाति कौशल, सीएमओ हेमेश्वरी पटले, नायब तहसीलदार की उपस्थिति एवं न्यायालय के प्रशासनिक अधिकारी, कर्मधारी पुलिस प्रशासन, चिकित्सीय दल, खेल अधिकारीगण शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग, शासकीय नर्मदा महावि?द्यालय, शासकीय विधि महावि?द्यालय, शासकीय गृह विज्ञान महावि?द्यालय, आई टी आई कॉलेज, जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग, सर्वाइट स्कूल लीगल ऐड डिफेन्स काउंसिल, अधिवक्तागण एवं पैरालीगल वालेन्टियर्स का सहयोग एवं सहभागिता रही। विधिक सहायता अधिकारी अंकिता शांडिल्य के द्वारा कार्यक्रम की योजना तैयार की गई तथा न्यायोत्सवः विधिक सेवा सप्ताह के कार्यक्रमों में सहयोग को लिये सभी संस्थाओं एवं विभागों का आभार प्रकट किया गया।

विधायक संग पौधारोपण कर बच्चों ने मनाया अपना जन्मदिवस

जिले के पहले शुभ मंगलमय जन्म-दिवस उपवन पार्क का हुआ लोकार्पण

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

शहर के करीब दो दर्जन बच्चों एवं नागरिकों के जन्मदिन मनाते हुए क्षेत्रीय विधायक उमाकांत शर्मा ने रविवार को विदिशा जिले के पहले नवनिर्मित शुभ मंगलमय जन्मदिवस उपवन पार्क की सौगात क्षेत्रवासियों को प्रदान की। इस अवसर पर उन्होंने ऐसे बच्चे जो अपना जन्मदिन मनाने नवीन लोकार्पित उपवन में पहुंचे थे उनके साथ मिलकर उनके जन्मदिवस को स्मृतिवान बनाते हुए विभिन्न फलदार वृक्षों का रोपण भी किया। इस दौरान सागर से बुलाई गई शहनाई द्वारा मंगल गीतों के बीच बच्चों ने अपने जन्मदिन के केक भी काटे। इस दौरान विधायक शर्मा ने सभी बच्चों को टाफिया एवं चिप्स के पैकेट का वितरण भी कराया।

लटेरी रोड स्थित दीनदयाल मानस उद्यान के समाने नगरपालिका परिषद द्वारा बनाए शुभ मंगलमय जन्मदिवस उपवन पार्क के शुभारंभ अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए विधायक शर्मा ने कहा कि हमारे सबके संरक्षक पूर्व मंत्री स्व. लक्ष्मीकांत शर्मा के ग्रीन एंड क्लीन सिरोंज की परिकल्पना का सार्थकता प्रदान करने ओर पर्यावरण को केंद्रित करते हुए हमनें इस बहुउपयोगी पार्क की कल्पना की थी जो आज साकार रूप ले रही है।

आज अक्षयनवमी के पावन पर्व पर हम इस पार्क को शर के नागरिकों को इस आव्हान के साथ समर्पित कर रहे हैं कि आप अपने बच्चों का जन्मदिवस मनाने इस स्थान पर पधारे तथा एक पौधा लगाकर उसे अपने सामने पल्लवित होते देखे और पर्यावरण को सुधारने में अपना योगदान प्रदान करेंगे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसडीएम हर्षल चौधरी ने कहा कि कबाड़ से जुगाड के साथ इस पार्क को सुंदर बनाने की थीम रखी गई है। जो पूर्णतः पॉलीथिन मुक्त रहेगा तथा यह पार्क प्रतिदिन सुभावसे लेकर शाम तक नागरिकों,बच्चों के लिए खुलेगा। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी एवं कांग्रेसी नेता अवध नारायण श्रीवास्तव ने कहा कि पर्यावरण को दृष्टिगत रखते हुए विधायक जी ने बच्चों को केंद्रित करते हुए बहुत श्रेष्ठ कार्य की सौगात सिरोंज के लिए प्रदान की है हम सब मिलकर इस उद्यान में सहभागिता करेंगे। इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं कन्या पूजन के साथ अतिथियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन भाजपा नेता सचिन शर्मा एवं आभार नपा सीएमओ रामप्रकाश साहू ने व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से नपाध्यक्ष मनमोहन साहू,पार्षद रीना शर्मा, हरिचरण अहिरवार, जयनारायण सेन, संजय सोनी,राजा मियां एसडीओपी उमेश तिवारी, मंडल महामंत्री सुमंत मित्तल आदि के साथ प्रशासनिक अधिकारी कर्मचारी एवं नागरिकगण उपस्थित रहें।

जिले में स्थापित हुआ पहला जन्मदिवस पार्क - पौधे लगाकर बच्चों ने कटा केक

विधायक उमाकांत शर्मा की पहल पर नगर पालिका ने वन विभाग के सहयोग से जिले का पहला शुभ मंगलमय जन्मदिवस उपवन पार्क बनाया गया है जिसमें कबाड़ के समान से सजावटी श्रृंगार सामग्री से सुसज्जित किया गया है । नपा प्रशासन ने यहां जन्मदिन वाले बच्चों के लिए नाम पट्टिका सहित पौधों का प्रबंध किया था। शुभारंभ अवसर पर बच्चों के जन्मदिवस मनाने के लिए मैदान में केक भी सजाए गए थे जिनको विधायक उमाकांत शर्मा ने बच्चों के साथ काटकर आशीर्वाद प्रदान किया। इस पार्क में नगर पालिका को सूचित कर जो भी अपने परिजनों का जन्मदिवस इस उद्यान में मनाएगे वह एक निश्चित शुल्क देकर अपना जन्मदिवस यहां मना सकते है उनके द्वारा लगाए गए पौधों की देखभाल नगर पालिका द्वारा किया जाएगा।

निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत पर डीएपी विक्रय करने पर एफआईआर दर्ज

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

तहसील नटेरन के ग्राम बम्हौरी रावन कृषक हरभजन लाल पिता कन्हैयालाल किरार द्वारा मेसर्स के.के.एग्री सॉल्यूशन, मेला रोड श्रीराम नगर विदिशा के विरूद्ध डीएपी उर्वरक 1350 रूपये के स्थान पर 1900 रूपये में दिये जाने की शिकायत तहसीलदार विदिशा से की गई थी। इसके उपरांत शनिवार को उर्वरक निरीक्षक आरके शर्मा वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी विकासखण्ड विदिशा द्वारा दिये गये,आवेदन पर मेसर्स केके एग्री सॉल्यूशन के संचालक प्रीतमसिंह कुशवाह के विरूद्ध कोतवाली थाना विदिशा द्वारा उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985, फर्टिलाईजर (मूमेंट) कंट्रोल आदेश 1973 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

कृषक हरभजन लाल किरार ने उर्वरक विक्रेता प्रीतम सिंह कुशवाह द्वारा डीएपी 1900 रूपये की दर से 6 बोरी 11400 रूपये में बेचने की शिकायत तहसीलदार विदिशा डॉ. अमितसिंह से की थी, जबकि शासन द्वारा डीएपी का मूल्य 1350 रूपये प्रति बोरी निर्धारित किया गया है।

सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने हेतु पैदल पुलिस दल ने किया भ्रमण

विदिशा , दोपहर मेट्रो

पुलिस अधीक्षक विदिशा रोहित काशवानी के द्वारा जिले के समस्त थाना/चौकी प्रभारियों को अपने-अपने थाना/चौकी क्षेत्र में बाजारों,भीड़ बाले स्थानों,मुहल्लों में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने हेतु मोबाइल पार्टियों एवं पैदल पार्टियों के माध्यम से कस्बा एवं गांवों का भ्रमण करने हेतु ,गुंडा बदमाश,निगरानी बदमाशो को चेक कर कार्यवाही करने, बैंकों, एटीएम की सुरक्षा बनाए रखने एवं बाजार की यातायात बनाए रखने हेतु निर्देशित किया गया है। इसी तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विदिशा डॉ प्रशांत चौबे के मार्गदर्शन में समस्त थाना/ चौकी प्रभारियों द्वारा दिनांक 9 नवंबर को समस्त थाना/चौकी अंतर्गत पुलिस द्वारा मोबाइल पार्टियों,पैदल पार्टियों के माध्यम से बाजारों, सार्वजनिक स्थलों,बैंकों,एटीएम आदि की सुरक्षा व्यवस्था हेतु भ्रमण किया।

मैराथन दौड़ से न्यायोत्सव का संदेश

कानून के प्रति जागरूक करने न्यायाधीश सहित न्यायालयीन कर्मियों ने लगाई दौड़

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार विदिशा जिले में भी न्यायोत्सव सप्ताह का आयोजन जारी है।

इसी कडी के तहत शनिवार को प्रातः मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया था जो कि जिला न्यायालय परिसर से शुरू हुई दुर्गानगर चौराहा,एसएटीआई, अहमदपुर चौराहे से होते हुऐ वापिस जिला न्यायालय परिसर में सम्पन्न हुई।

मैराथन दौड़ में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश जाकिर हुसैन,विशेष न्यायाधीश के न्यायाधीश जीसी शर्मा,सचिव विधिक सेवा प्राधिकरण मसूद खान,सीजीएम अपर्णा शर्मा,जिला रजिस्टर विजय कुमार पांडे,अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर,एसडीएम क्षितिज शर्मा, तहसीलदार डॉक्टर अमित सिंह ने सहित न्यायालय के कर्मचारियों नें उक्त मैराथन दौड़ में हिस्सा लिया ।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश जाकिर हुसैन नें बताया कि नागरिकों को कानून के प्रति जागरूक करने के लिये 4 से 9 नबंवर तक देश भर में न्यायोत्सव मनाया जा रहा है। इसी के तहत आज मैराथन दौड का आयोजन किया गया था।

सीएम हेल्पलाइन आवेदनों के निराकरणो पर विशेष जोर दें

विदिशा। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने सीएम हेल्पलाइन के तहत दर्ज आवेदनों के निराकरणो पर विशेष जोर देने के निर्देश दिए है। उन्होंने खासकर सी और डी ग्रेड सूची में शामिल विभागो के जिला व खण्ड स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि आवेदनो के निराकरण हेतु विशेष पहल करें। सीएम हेल्पलाइन की जिलेवार दस नवम्बर की स्थिति में जारी ग्रेडिंग सूची में विदिशा जिला पांचवे स्थान पर है। ज्ञातव्य हो कि अक्टूबर माह में जिले में कुल 10084 शिकायते प्राप्त हुई है जिसमें से अब तक 37.93 प्रतिशत का संतुष्टि के साथ समाधान किया गया है पचास दिवस से अधिक लंबित शिकायतो में 13.68 प्रतिशत अंक हासिल किए गए है जबकि निम्न गुणवत्ता से बंद शिकायतो के बैटेज स्कोर 10 का शत प्रतिशत प्राप्ति की गई है वहीं नॉन अटेण्डेट शिकायतो के दस प्रतिशत में से 9.93 प्रतिशत अंक हासिल किए गए है।

जल जीवन मिशन के ठेकेदार की मनमानी, बिना परमिशन खोदी सड़क

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

जनपद पंचायत गंजबासौदा की ग्राम पंचायत आटासेमर ग्राम पंचायत के ग्राम नान्नूखेडी से बरबटी के बीच जल जीवन मिशन के ठेकेदार के द्वारा पाइपलाइन बिछाने के लिये प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क खोद दी गई है।

जिसके कारण ग्रामीण सड़क से निकलते समय दुर्घटना का शिकार हो रहे है।जल जीवन मिशन का कार्य जिंदल पाइप लिमिटेड के द्वारा कराया जा रहा है,इस सड़क पर ठेकेदार के द्वारा बिना परमिशन के ही प्रधानमंत्री सड़क की सर्विस सड़क खोद कर पाइपलाइन बिछाई गई है।

जबकि इस संबंध में स्थानीय ग्रामीणों प्रकाश सेन,शुभम दांगी ऋषभ दांगी के द्वारा बताया गया कि ठेकेदार के द्वारा लापरवाही पूर्वक कार्य किया जा रहा है जिसके चलते ग्रामीणों को परेशानी झेलनी पड़ रही हैं। उन्होंने बताया है कि यह सड़क बागरोद चौराहा से आटासेमर तक डली हुई है,जल जीवन मिशन के ठेकेदार के द्वारा सड़क खुद देने के चलते ग्रामीणों को निकालने में काफी परेशानी हो रही है।

इस संबंध में जब प्रधानमंत्री सड़क के जीएम एस पी आर्य से बात की गई तो उन्होंने बताया कि ठेकेदार के द्वारा सड़क खोदने की कोई परमिशन नहीं ली गई है। मौके पर जांच कर उचित कार्रवाई की जायेगी।

मेट्रो एंकर | जनपद पंचायत सेमरी के डा एपीजे अब्दुल कलाम योग मैदान पर बालिका क्रिकेट मैच

चांदनी के शानदार सिक्स से जीती रानी अवंतीबाई बालिका टीम

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

जनपद पंचायत के ग्राम सेमरी के डा एपीजे अब्दुल कलाम योग मैदान मे बालिका क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया मैच मे पहले बल्लेबाजी करते हुऐ झलकारी बाई टीम ने पचपन रन बनाये इसके जबाव मे रानी अवतीबाई टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुऐ मैच जीत लिया रानी अवतीबाई टीम की तरफ से चांदनी पंथी ने लगातार तीन छक्के जमाकर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की मानसी राजपूत ने तीन विकेट लेकर गर्ल आफ द मैच

चाँदनी पंथी ने गर्ल आफ द सीरिज का खिताब अपने नाम किया प्रियंका लोधी ने तीन रन,चाँदनी पंथी ने बाइस,रानी लोधी ने दस मानसी राजपूत ने दो प्रियांशी सेन ने एक रागिनी लोधी सोलह लक्ष्मी अहिरवार ने दो रन बनाये।

इसी तरह झलकारी बाई टीम की तरफ से परी लोधी ने आठ भावना लोधी ने तेरह खुशी अहिरवार ने बारह पूनम अहिरवार ने सात सलोनी मालवीय सात नुपुर लोधी ने आठ रन बनाये। अंपायरिंग मानव लोधी आदर्श लोधी ने की कामेंटरी आदर्श सेन के द्वारा की गई। मैच प्रारंभ होने के पूर्व पालक शिक्षक संघ अध्यक्ष फेरन सिंह लोधी समाजसेवी सुहानी पंथी ने खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त किया,इस अवसर पर योग गुरू सैयद शफाकत हुसैन कादरी ने दोनों बालिका क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों को स्पोर्ट्स सामग्री तथा सर्दी से बचने निःशुल्क स्वेटर व शैक्षिक अध्ययन सामग्री भेंट करने की घोषणा करते हुऐ बालिकाओं से पढाई के साथ साथ हर परिस्थिती का सामना करने वाला फाइटर बनने का भी आह्वान किया।

68वीं राष्ट्रीय शालेय ताइक्वांडो स्पर्धा में खेले गए 300 मुकाबले

विदिशा , दोपहर मेट्रो

जिला खेल स्टेडियम परिसर में आयोजित 68वीं राष्ट्रीय स्तर शालेय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में तीसरे दिन 300 मुकाबले खेले गए हैं। वहीं प्रतियोगिता के दूसरे दिवस देर रात्रि में पुरस्कार वितरण किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता बलवीर सिंह तोमर, प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी आरके ठाकुर, संयोजक प्राचार्य एसपी सिंह जाटव, स्पर्धा के नोडल प्रभारी आशीष सक्सेना, शहर नोडल प्रभारी प्रशांत रघुवंशी मौजूद रहे। मीडिया प्रभारी विजय कुमार श्रीवास्तव ने प्रतियोगिता परिणामों की जानकारी देते हुए बताया कि अंडर 17 आयु बालक वर्ग 51 - 55 किग्रा में स्वर्ण पदक खुशिदल सिंह बिहार, रजत पदक सुरेश देशमुख, कांस्य पदक तेजस यादव और महेंद्र अर्णव शुक्ला। 68- 73

किग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक किसेरा बली रेड्डी महाराष्ट्र, रजत पदक अब्दुल हैदिल जम्मू कश्मीर, कांस्य पदक शिवांश कुमार सिंह हरियाणा और मौसम राज चैधरी असम ने प्राप्त किया। अंडर 17 आयु वर्ग बालिका 68 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक दिवा गुप्ता सीआईसीई, रजत पदक लक्षिता मलिक हरियाणा, कांस्य पदक तनुजा राणा मप्र और संयंतनी देव वेस्ट बेंगल तथा 32 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक दर्शनी तमिलनाडु, रजत पदक मयूरी धूमल महाराष्ट्र, कांस्य पदक सृष्टि ठाकुर हिमाचल प्रदेश और अराधना कुमारी बिहार ने प्राप्त किया।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर फेल हुए गौतम गंभीर तो भारतीय टीम के दो अलग-अलग कोच होंगे

बदलाव: बीसीसीआइ टेस्ट और सीमित ओवरों की टीम में नए प्रयोग करने के बारे में सोच रही, प्रस्ताव पर विचार...

नई दिल्ली, एजेंसी

कप्तान सूर्यकुमार यादव की अगुआई में भारतीय क्रिकेट टीम इन दिनों दक्षिण अफ्रीका दौरे पर चार टी-20 मैचों की सीरीज खेलने के लिए गई है। इस टीम के साथ मुख्य कोच गौतम गंभीर नहीं हैं क्योंकि उन्हें 22 नवंबर से पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए भारत की टेस्ट टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाना है। यह सीरीज आगामी आइसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाने के लिए लिहाज से काफी अहम है। गंभीर की अनुपस्थिति में भारतीय टी-20 टीम के साथ दक्षिण अफ्रीका दौरे पर मुख्य कोच की भूमिका पूर्व बल्लेबाज और नेशनल क्रिकेट एकेडमी के चीफ वीवीएस लक्ष्मण निभा रहे हैं। टीम इंडिया ने पहले टी-20 में द. अफ्रीका को 61 रन से मात दी। इसके बाद बीसीसीआइ टेस्ट और सीमित ओवरों (वनडे व टी-20) की टीम के लिए अलग-अलग कोच नियुक्त करने पर विचार कर रही है।

कई टीमें कर चुकी हैं यह प्रयोग

पहले भी कई क्रिकेट टीमें अलग-अलग प्रारूप में दो कोच और दो कप्तान का प्रयोग कर चुकी हैं। पाकिस्तान ने जेसन गिलेस्पी को टेस्ट टीम का मुख्य कोच जबकि गैरी कर्स्टन को सीमित ओवरों की टीम का कोच बनाया था। इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रैंडन मैकुलम कुछ महीने पहले तक टेस्ट टीम के कोच थे। उन्हें हाल में सीमित ओवरों का भी कोच बनाया गया।

दबाव कम पड़ेगा

बीसीसीआइ का मानना है कि भारतीय क्रिकेट टीम का पूरे साल का कार्यक्रम बहुत व्यस्त रहता है। इस कारण कोच पर भी काफी दबाव पड़ता है। ऐसे में यदि अलग-अलग कोच होंगे तो उनकी मानसिकता भी हर प्रारूप के लिए ज्यादा सटीक होगी। इसके अलावा, कोच के ऊपर से जिम्मेदारी का बोझ भी कम होगा।

गॉफ ने पहली बार डब्ल्यूटीए फाइनल्स का खिताब जीता

पेरिस ओलिंपिक चैंपियन झेंग को हराया, रिकॉर्ड 40.54 करोड़ रुपए मिले

नईदिल्ली, एजेंसी

अमेरिका की कोको गॉफ ने चीन की झेंग किनवेन को हराकर पहली बार डब्ल्यूटीए फाइनल्स का खिताब जीत लिया है। गॉफ ने खेले गए फाइनल में शानदार वापसी करते हुए पेरिस ओलिंपिक चैंपियन झेंग के खिलाफ 3-6, 6-4, 7-6 से जीत दर्ज की। रियाद में इस जीत के साथ गॉफ को 40.54 करोड़ रुपए मिले। तीसरी सीड गॉफ ने नंबर-1 आर्यना सबालेंका को हराकर फाइनल में प्रवेश किया था। वहीं, 22 साल की चीनी खिलाड़ी झेंग ने सेमीफाइनल में विंबलडन चैंपियन बारबरा क्राजीकोवा को मात देकर अपने पहले डब्ल्यूटीए फाइनल्स के खिताबी मुकाबले में जगह बनाई थी। गॉफ फाइनल में पहुंचने से पहले ही 19.45 करोड़ रुपए अपने नाम कर चुकी थी। टाइटल जीतने के बाद उन्हें 21 करोड़ की प्राइज मनी दी गई। यानी गॉफ को महिला टेनिस के इतिहास में सबसे अधिक 40.54 करोड़ मिले। गॉफ 21 साल से कम उम्र में यह टूर्नामेंट जीतने वाली चौथी अमेरिकी 1972 में डब्ल्यूटीए फाइनल्स शुरू होने के बाद से गॉफ 21 साल से कम उम्र में यह टूर्नामेंट जीतने वाली चौथी अमेरिकी खिलाड़ी बन गई हैं। इससे पहले क्रिस एवर्ट, ट्रेसी ऑस्टिन और सेरेना विलियम्स ने यह उपलब्धि हासिल की थी। गॉफ ने टूर्नामेंट में चार टॉप-10 खिलाड़ियों को हराया गॉफ 1990 के बाद पहली अमेरिकी हैं जिन्होंने एक ही टूर्नामेंट में चार टॉप-10 खिलाड़ियों को हराया है। इससे पहले 1996 ओलिंपिक में लिंडसे डेवनपोर्ट ने यह कारनामा किया था। गॉफ ने इस साल ओपन में हार के बाद अपने पिछले 14 मैचों में से 12 मैच जीतकर इस साल को खत्म किया। झेंग का भी सीजन शानदार रहा।

तीसरा मैच 8 विकेट से जीता, शाहीन-नसीम ने 3-3 विकेट लिए

पाकिस्तान 22 साल बाद ऑस्ट्रेलिया में वनडे सीरीज जीता, 2-1 से हराया

पर्थ. एजेंसी

पाकिस्तान ने तीसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया को 8 विकेट से हरा दिया। टीम इसी के साथ 3 मैचों की सीरीज 2-1 से जीती। 22 साल के बाद पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया को वनडे सीरीज में उसी के घर में हराया है। इससे पहले साल 2002 में हराया था। पर्थ में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया। ऑस्ट्रेलिया की टीम 31.5 में 140 रन पर सिमट गई। पाकिस्तान ने 141 रन के टारगेट को 26.5 ओवर में 2 विकेट खोकर हासिल कर लिया। वहीं, पाकिस्तान के लिए हारिस रऊफ ने 7 ओवर में सिर्फ 24 रन देकर 2 विकेट लिए। रऊफ को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज का भी अवॉर्ड मिला। उन्होंने सीरीज में 10 विकेट झटके। शफीक-अयूब के बीच पहले विकेट के लिए 84 रन की पार्टनरशिप हुई पाकिस्तान के दोनों ओपनर सईम अयूब और अब्दुल्लाह शफीक ने 84 रन की मजबूत शुरुआत दी। सईम ने 42 और शफीक ने 37 रन की पारी खेली। कप्तान मोहम्मद रिजवान ने नाबाद 30 और बाबर आजम ने 28 रन बनाए। दोनों के बीच नाबाद 58 रन की साझेदारी हुई। ऑस्ट्रेलिया की ओर से दोनों विकेट लांस मॉरिस ने लिए। ऑस्ट्रेलिया की बैटिंग फेल रही पर्थ की बाउंसी पिच पर मेजबान टीम की बल्लेबाजी फ्लॉप रही और 31.5 ओवर में 140 रन ही बना सकी। टीम के टॉप-5 बल्लेबाज 25 रन से ज्यादा का स्कोर नहीं कर सके। ओपनर मैथ्यू शॉर्ट ने 22 रन और शॉन एबट ने सबसे ज्यादा 30 बनाए।

पर्थ में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया, जिसे तेज गेंदबाजों ने सही साबित कर दिया। शाहीन शाह अफरीदी और नसीम शाह ने 3-3 विकेट झटके। हारिस रऊफ ने 2 विकेट लिए।

एक विकेट मोहम्मद हसनैन को मिला। जबकि एक बल्लेबाज रिटायर्ड हर्ट हुआ।

शॉन एबट ने स्कोर 150 के करीब पहुंचाया 88 रन पर 6 विकेट गंवाने के बाद 8वें नंबर के बल्लेबाज शॉन एबट ने टीम का स्कोर 140 के पार पहुंचाया। वे 30 रन बनाकर टीम के टॉप स्कोरर रहे। उन्होंने एडम जम्पा के साथ 30 और स्पेंसर जॉनसन के साथ 22 रन की साझेदारी की। टॉप-5 बैटर्स ने 55 रन ही जोड़े, शॉर्ट ने 22 रन बनाए ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज पाकिस्तानी पेसर्स के सामने संघर्ष करते दिखाई दिए। टीम के टॉप-5 बल्लेबाजों ने मिलकर 55 रन बनाए, इनमें सबसे ज्यादा 22 रन ओपनर मैथ्यू शॉर्ट ने स्कोर किए। उन्हें हारिस रऊफ ने पवेलियन भेजा। टीम को पहला झटका नसीम शाह ने पारी के चौथे ओवर में दिया। उन्होंने जैक फ्रेजर मैकगर्क को विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान के हाथों कैच कराया। जैक ऑफ स्टंप से बाहर जाती बॉल पर ड्राइव करना चाहते थे। बॉल बल्ले का बाहरी किनारा लेकर विकेटकीपर के ग्लव्स में चली गई। मैक्सवेल सीरीज में दूसरी पर शून्य पर आउट, कूपर चोटिल ग्लेन मैक्सवेल इस सीरीज में दूसरी बार शून्य पर आउट हुए।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

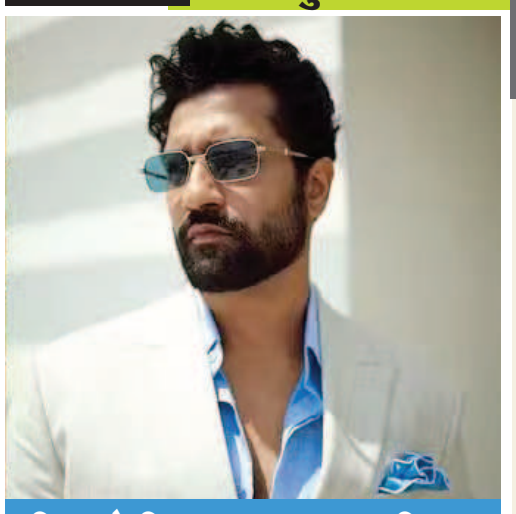

पिता ने किया खुलासा: ऑडिशन के दौरान विक्की ने झेले अपमान

स्टंट निर्देशक शाम कौशल ने हाल ही में अपने बेटों, विक्की कौशल और सनी कौशल के बारे में खुलकर बात की। इस दौरान उन्होंने दोनों के करियर बनाने की कोशिश के बीच की चुनौतियों के बारे में भी खुलासा किया। शाम ने साझा किया कि करियर की शुरुआत में विक्की ने ऑडिशन के दौरान कितनी अस्वीकृतियों के साथ अपमान के क्षणों को भी झेला है। स्टंट निर्देशक ने कहा कि उन्होंने हमेशा अपने बेटों को अपने सपनों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित किया। उनके मुताबिक वह यह भी चाहते थे कि दोनों कड़ी मेहनत और अनुशासन के मूल्य को समझें।

बेटों के फैसले पर हुआ आश्चर्य

शाम के अनुसार विक्की और सनी दोनों नियमित स्कूल गए, क्योंकि इसके पीछे का मकसद उन्हें जीवन के प्रति एक जमीनी नजरिया विकसित करने और उन्हें केंद्रित रखना था। शाम ने आगे खुलासा किया कि जब दोनों बेटों ने फिल्म इंडस्ट्री में करियर बनाने में रुचि व्यक्त की तो उन्हें शुरू में आश्चर्य हुआ, क्योंकि उन्होंने उनके उस रास्ते पर जाने की योजना नहीं बनाई थी।

हमेशा किया दोनों का समर्थन

हालांकि, इसके बाद भी उन्होंने दोनों का समर्थन किया, क्योंकि खुद भी वह फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े हुए हैं। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए शाम ने कहा कि मैं भी एक गांव से आया हूं और कड़ी मेहनत करता हूं, इसलिए मेरा मानना था कि अगर वे ईमानदार रहे और प्रयास करते रहे, तो उन्हें सफलता जरूर मिलेगी।

कभी नहीं की सिफारिश

शाम ने ये बातें फ्राइडे टॉकीज के साथ एक साक्षात्कार में कहीं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अपने बेटों को भूमिकाएं दिलाने के लिए कभी भी उन्होंने मदद नहीं मांगी। उन्होंने कहा कि मैं एक एक्शन निर्देशक था, फिर भी मैंने कभी किसी को काम देने के लिए संपर्क नहीं किया।

बॉक्स ऑफिर पर रूह बाबा-मंजुलिका का कब्जा, 200 करोड़ बनने में फूली सिंघम अगेन की सांसे

बॉक्स ऑफिस पर वर्चस्व की होड़ में, कार्तिक आर्यन की हॉरर-कॉमेडी भूल भुलैया 3 और रोहित शेट्टी की एक्शन से भरपूर सिंघम अगेन सिनेमाघरों में दस दिनों के बाद भी कड़ी टक्कर में हैं। हालांकि, सिंघम अगेन की बॉक्स ऑफिस पर सांस फूलती ही नजर आ रही है। महाक्लैश के बाद भूल भुलैया 3 काफी आगे चल रही है। वही, दस दिनों में ही अजय देवगन की फिल्म पर फ्लॉप का ठप्पा लग चुका है। यह फिल्म 1 नवंबर को रिलीज हुई थी, जिसका क्लैश अजय देवगन की सिंघम अगेन से हुआ था। हॉरर-कॉमेडी फिल्म ने दर्शकों को आकर्षित करते हुए अपनी गति बनाए रखी है। रविवार को, फिल्म ने मजबूत वृद्धि देखी, और 10 वें दिन 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। फिल्म आने वाले कुछ दिनों में भी और अच्छी कमाई कर सकती। फिल्म ने पहले दिन से दर्शकों पर अपना ऐसा जादू चलाया कि नौ दिन बाद भी लोग इसे देखने के लिए सिनेमाघरों तक खींचे चले आ रहे है। रविवार को फिल्म ने 16.50 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है, इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 199.50 करोड़ रुपये हो गई है। रविवार को भूल भुलैया 3 , 200 करोड़ रुपये के आकंड़े के करीब पहुंच गई है, जो सिंघम अगेन के दस दिनों के 206.5 करोड़ रुपये के करीब पहुंच गया, जबकि दोनों फिल्मों ने सप्ताहांत में बढ़त हासिल की। दिवाली की छुट्टियों में दर्शकों को आकर्षित करने के लिए हर फिल्म ने अपना दावा पेश किया। हालांकि, इस रेस में सिंघम अगेन पिछड़ गई है। बता दें कि सिंघम अगेन रिलीज के 10वें दिन ही फ्लॉप घोषित हो गई है। फिल्म ने 10वें दिन 13.25 करोड़ रुपये की कमाई की है, इस तरह फिल्म का कुल कलेक्शन 206.50 करोड़ रुपये हो गया है। फिल्म को ब्लॉकबस्टर बनने के लिए 700 करोड़ का आंकड़ा छूना पड़ेगा, जो कि वर्तमान की कमाई को देखकर नामुमकिन सा लग रहा है।

131 करोड़ का बंगला 21 फिल्मफेयर अवार्ड!

साउथ से लेकर बॉलीवुड तक छाए सुपरस्टार कमल हासन 70 साल के हो गए हैं. 7 नवंबर 1954 को उनका जन्म तमिलनाडु के परमाकुदी में हुआ था. तमिल एक्टर ने हिंदी, तमिल के अलावा तेलुगु, मलयालम, कन्न? और बंगाली फिल्में भी की हैं. कमल हासन 1 करोड़ फीस लेने वाले पहले सुपरस्टार हैं. ये फीस उन्होंने 1994 में आई सिंगल फिल्म के लिए लिया था. वह अपनी लग्जरी लाइफ के लिए जाने जाते हैं. उनके पास करोड़ों की प्रॉपर्टी है. उनकी कमाई सिर्फ फिल्मों ही नहीं बल्कि कई अलग-अलग सोर्स से होती है। एक्टिंग की दुनिया में एक्टिव कमल हासन कई फिल्मों में बैकग्राउंड डांसर भी रह चुके हैं. उन्होंने साउथ की कई फिल्में असिस्ट भी की हैं. कई साल स्ट्रगल के बाद साल 1974 में उन्हें फिल्म कन्याकुमारी में पहली बार लीड रोल करने का मौका मिला. इस फिल्म के लिए उन्हें पहला फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला था. हालांकि, महज 4 साल की उम्र में ही कलाथुर कनम्मा से एक्टिंग में उनका डेब्यू हो चुका था. इसके अलावा 5 अन्य फिल्मों में भी चाइल्ड एक्टर की भूमिका में रहे।कमल हासन भारत के वो स्टार हैं, जिनकी सबसे ज्यादा 7 फिल्में ऑस्कर अवॉर्ड की बेस्ट फॉरेन फिल्म कैटेगरी में शामिल हो चुकी हैं. भारतीय सिनेमा की हिस्ट्री में सबसे ज्यादा फिल्मफेयर अवॉर्ड भी उन्हीं के नाम है. 2 बार हिंदी और 19 बार साउथ से उन्हें यह अवॉर्ड मिल चुका है. कहा यह भी जाता है कि बाद में उन्होंने खुद ही फिल्मफेयर एसोसिएशन से अपना नाम विदड्रॉ कर लिया, ताकि नए एक्टर को ये अवॉर्ड मिल सके. इसके अलावा एक्टर 4 नेशनल अवॉर्ड, 2 बार लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड, पद्मश्री और पद्मभूषण से भी सम्मानित हो चुके हैं.

शेयर बाजार: महंगाई, वैश्विक रुझान और तिमाही नतीजे तय करेंगे चाल

मेट्रो बाजार

मुंबई, एजेंसी

विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली और कंपनियों के कमजोर तिमाही नतीजों से पूरे भारतीय शेयर बाजार में बड़ी गिरावट आई है। विदेशी फंड्स की निकासी से बीएसई ऑल-कैप इंडेक्स में शामिल हर 10 में से 7 यानी 70 फीसदी शेयरों में गिरावट दर्ज की गई है। 26 सितंबर के ऑल-टाइम हाई से सेंसेक्स-निफ्टी करीब 8 फीसदी गिर चुका है। हालांकि सबसे अधिक रिस्की समझे जाने वाले स्मॉलकैप इंडेक्स में इस दौरान सबसे कम 3.7 फीसदी की गिरावट आई है। मोतीलाल ओसवाल के सिद्धार्थ खेमका ने कहा, मिलेजुले वैश्विक कारकों और कमजोर तिमाही नतीजों के कारण बाजार में इस हफ्ते उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है। वैश्विक रुझान, कंपनियों के तिमाही नतीजे और खुदरा महंगाई सहित आर्थिक आंकड़े बाजार को दिशा देंगे। एंजेल वन के समीत चव्हाण ने कहा, हाल के प्राइस एक्शन से ट्रेंड में बदलाव के शुरुआती संकेत मिले हैं। बाजार में कभी भी रिकवरी शुरू हो सकती है। हालांकि अभी निवेशकों को अति उत्साह और जोखिम लेने से बचना चाहिए, क्योंकि निफ्टी के 24,500 से ऊपर निर्णायक ब्रेकआउट होने के बाद ही ट्रेंड बदलने और बाजार में फिर से तेजी लौटनी की उम्मीद है।

ये फैक्टर तय करेंगे बाजार की दिशा

आर्थिक आंकड़े: जियोजीत फाइनेंशियल ने कहा, 12 नवंबर को भारत में खुदरा महंगाई और औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े जारी होंगे, जबकि 14 को थोक महंगाई के आंकड़े आएंगे। 13 नवंबर को अमरीका की महंगाई रिपोर्ट आएगी, जो आर्थिक नीति को प्रभावित करेंगे।

तिमाही नतीजे: इस हफ्ते हुंडई, ग्लेमार्क फार्मा, ब्रिटानिया, बैंक ऑफ इंडिया, बीईएमएल, हिंडाल्को, ओएनजीसी, अपोलो टायर्स जैसी बड़ी कंपनियों सहित करीब 150 कंपनियों के सितंबर तिमाही नतीजे घोषित किए जाएंगे, जिनका बाजार पर असर पड़ सकता है।

वैश्विक रुख: विदेशी निवेशकों की गतिविधियां, अमराकी बॉन्ड और डॉलर की स्थिति भी असर डालेगी।

म्यूचुअल फंड्स: 21 नवंबर तक मांगे सुझाव 'स्किन इन द गेम' नियमों में कई बड़े बदलाव

मुंबई, एजेंसी

बाजार नियामक म्यूचुअल फंड्स से जुड़े नियमों में बदलाव की तैयारी में है। सेबी के ये प्रस्तावित बदलाव म्यूचुअल फंड्स के लिए लागू 'स्किन इन द गेम रूल्स' से जुड़े हैं, जिनसे एसेट मैनेजमेंट कंपनियों (एएमसी) के कर्मचारियों को बड़ी राहत मिल सकती है। नियमों के तहत इन कर्मचारियों को अपने वेतन का एक बड़ा हिस्सा अनिवार्य रूप से उन म्यूचुअल फंड स्कीम्स में लगाना पड़ता है, जिनके लिए वे काम करते हैं। इससे उन कर्मचारियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, जिनका वेतन ज्यादा नहीं है। इन्हीं परेशानियों को देखते हुए सेबी की नियमों में राहत देने की तैयारी है।

स्किन इन द गेम नियम- सेबी के नियमों के तहत एएमसी में काम करने वाले कर्मचारियों को अपनी सालाना आमदनी का 20 फीसदी हिस्सा उन फंड्स में निवेश करना अनिवार्य है, जिन्हें वे मैनेज करते हैं। इस निवेश को साल के लिए लॉक किया जाता है। इसका मकसद यह तय करना है कि फंड हाउस के मैनजरों और कर्मचारियों के हित निवेशकों के हितों के साथ मेल खाते हों।

ऐशबाग क्षेत्र में हाईटेंशन लाइन की चपेट में आया श्रमिक

छत पर लोहे की सरिया खींचते समय लगा करंट, दर्दनाक मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ऐशबाग स्थित कैपिटल पेट्रोल पंप के पीछे गुरुनानकपुरा में चौथी मंजिल पर काम करते समय मजदूर की मौत हो गई। हादसा लोहे की चालीस फीट की सरिया ऊपर चढ़ाते समय हुआ। दरअसल, नीचे से मजदूर ने उसे सरिया दिया था और वह उसे ऊपर छत पर चढ़ा रहा था, तभी सरिया सामने से गुजरी हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया और करंट लगने से उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार नियामत अली पिता मकबूल (30) लांबाखेड़ा में रहता था। नियामत लोहा बंधाई का ठेका लेता था। कैपिटल पेट्रोल पंप के पीछे गुरुनानकपुरा में वसीम भाई की मल्टी बन रही है। मल्टी में चौथी मंजिल की छत की ढलाई होनी थी। वसीम भाई ने नियामत को लोहा बंधाई का ठेका दिया था। रविवार सुबह नियामत मल्टी की छत पर पहुंचा। नीचे रखी चालीस फीट की सरिया मजदूर उसे उठाकर दे रहे थे और वह छत पर सरिया खींच रहा था। मजदूर ने उसे सरिया उठाकर दी और वह ऊपर खींच रहा था, तभी बीस फीट दूरी से गुजरी हाईटेंशन लाइन से सरिया टकरा गई। सरिया टकराते ही उसे करंट का तगड़ा झटका लगा वह छत पर ही गिर गया। उसे मजदूर अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद नियामत को मृत घोषित कर दिया।

प्लेटिनम प्लाजा के पास चौराहे पर हादसा, स्कूटर सवार दो युवकों की मौत

अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर या खुद स्कूटर से गिरे, पुलिस कर रही जांच, देखे जा रहे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

टीटी नगर थाना क्षेत्र स्थित प्लेटिनम प्लाजा के पास सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। हादसा रात करीब ढ़ाई बजे के आसपास का है। उनकी स्कूटर को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी या फिर वह स्वयं स्कूटर फिलसने से गिरे इसकी जांच की जा रही है। स्कूटर देखकर अनुमान लगाया जा रहा है कि उन्हें किसी वाहन से टक्कर लगी है और टक्कर लगने के बाद उनका स्कूटर घिसटता हुआ डिवाइडर में टकराया था। इस हादसे में दोनों को गंभीर चोट?थी। एंबुलेंस उन्हें जय प्रकाश अस्पताल लेकर पहुंची। वहां एक युवक को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया, जबकि दूसरे की हालत नाजुक होने के कारण उसे हमीदिया अस्पताल भेजा गया था। हमीदिया अस्पताल पहुंचते ही दूसरे की मौत हो गई।

थाना प्रभारी उप निरीक्षक सुनील भदौरिया ने बताया कि यह हादसा रात करीब ढाई बजे के आसपास प्लेटिनम प्लाजा के पास चौराहा पर हुआ है। सूचना पर डायल 100 और एंबुलेंस पहुंची थी। इस दौरान दोनों युवक सड़क पर डिवाइडर के पास पड़े थे। एक के शरीर में हलचल नहीं हो रही थी, जबकि दूसरा तड़प रहा था। दोनों को जय प्रकाश अस्पताल भेजा गया। वहां एक युवक को चेक करने पर डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया, जबकि दूसरा कुछ कहने की स्थिति में नहीं था। उसे हमीदिया अस्पताल रेफर किया गया। हमीदिया अस्पताल में डॉक्टर ने चेक किया तो उसकी भी मौत हो चुकी थी। मृतक की पहचान पुष्पा नगर, अशोक गार्डन निवासी 25 साल के आर्यन और 24 साल के आवेश के रूप में की गई?है। दोनों स्कूटर से घूमने निकले थे।

राजधानी में क्राइम ब्रांच की नशे के खिलाफ कार्रवाई

24 ड्रग पैडलर्स से 52 किलो गांजा व 100 ग्राम एमडी जब्त

दो दर्जन आरोपियों में 9 महिला तस्कर भी गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

क्राइम ब्रांच ने गत 15 दिन में मादक पदार्थों के तस्कर (ड्रग पैलडर्स) पर विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई की है। इस दौरान दो दर्जन ड्रग पैडलर्स को गिरफ्तार किया। आरोपियों में 9 महिला ड्रग पैडलर्स शामिल हैं। कार्रवाई में क्राइम ब्रांच ने 52 किलो गांजा और 100 ग्राम एमडी बरामद की। बरामद किए गए मादक पदार्थ की कुल कीमत 15 लाख रुपए के आसपास है। एडिशनल डीसीपी क्राइम, शैलेन्द्र सिंह चौहान ने बताया कि वर्ष 2024 में जनवरी से अब तक क्राइम ब्रांच की टीम करीब 400 किलो अवैध मादक पदार्थ गांजा, 36 किलो चरस, 132 पेटी कोडीन युक्त कोरेक्स कफ सीरप, एक दोपहिया वाहन तथा दो चार पहिया वाहन समेत 14 करोड़ 10 लाख 38 हजार 200 रुपए का अवैध मादक पदार्थ व ड्रग्स तथा वारदात में प्रयुक्त वाहन बरामद कर चुकी है। ज्यादतर स्थानों पर महिलाएं बेच रही हैं ड्रग्स डीसीपी ने बताया कि महिलाएं अवैध मादक पदार्थों के कारोबार में लिप्त हैं। एक स्थान से दूसरे स्थान तक माल पहुंचाने के अलावा ड्रग्स बेचने में भी महिलाएं पीछे नहीं हैं। बीते 15 दिनों के दौरान चलाए गए विशेष अभियान के तहत क्राइम ब्रांच ने कुल 24 आरोपियों को गिर तार किया हैं जिनमें 9 महिलाएं भी शामिल हैं। क्राइम ब्रांच पुलिस मादक पदार्थ से अर्जित की गई संपत्ति की जानकारी एकत्रित कर संपत्ति कुर्की करने की कार्रवाई की प्रक्रिया भी जारी रखे हुए है। इनके खिलाफ धारा 111 के तहत ड्रग्स सप्लाई की गैंग की कार्रवाही की जाएगी। 15 दिनों में हुई कार्रवाई

- जंबूरी मैदान पिपलानी से सुगना बंजारा निवासी बंजारा बस्ती कोकता व चन्द्रेश लोधी निवासी आदमपुर छावनी से 6 किलो 570 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया।

- इन्द्रा सहायता नगर झुग्गी गौतम नगर इलाके से फौजिया खान (35) निवासी इन्द्रा सहायता नगर से मादक ड्रग्स नाइट्रावेट की 95 गोलियां व सात नशे के इंजेक्शन बरामद किए।

- चेतक ब्रिज, कारगिल बस्ती से शेखर उईके निवासी कस्तूरबा नगर गोविंदपुरा को गिरफ्तार कर 650 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया।

- लेबर ग्राउंड इन्द्रपुरी पिपलानी से अलका खान (28) निवासी इन्द्रपुरी लेबर कॉलोनी, को से चार किलो 740 ग्राम गांजा व एक लाख 10 हजार रुपए नगद बरामद हुए।

- नर्मदा भवन सर्विस रोड आवासीय लिंक रोड क्रमांक-तीन तुलसी नगर, टीटी नगर इलाके से राधिका गरुड़ (35) निवासी मद्रासी कॉलोनी से 550 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा जब्त किया।

- सर्विस रोड अर्जुन नगर मल्टी के सामने लिंक रोड क्रमांक-तीन से विशाल बाथम (27) निवासी अर्जन नगर मल्टी, को गिरफ्तार कर 522 ग्राम अवैध गांजा जब्त किया गया।

- सुभाष नगर ब्रिज के पास बंद पड़े पेट्रोल पंप ऐशबाग इलाके से उमेर अहमद (26) निवासी बाग दिलकुशा को गिरफ्तार कर 50 हजार रुपए कीमत का 4167 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडी बरामद किया।

- आरिफ नगर ओवर ब्रिज रोड यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री के पीछे मैदान से अनमोल उर्फ मुस्कान कुचबंदिया (22) निवासी प्रेम नगर थाना छोला मंदिर को हिरासत में लेकर 862 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया।

- गणेश नमकीन के आगे खेजड़ा में जंगल के पास थाना छोला मंदिर इलाके से अज्जू उर्फ अजीम निवासी न्यू ब्लाक कैंची छोला व फैजान उर्फ फिज्जू निवासी ब्लू मून कालोनी को गिर तार कर 20.79 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडी जब्त किया।

- सुभाष फाटक आरओबी ब्रिज पास एमपी नगर इलाके से अन्नू उर्फ अनवर उर्फ अनवारी (60) निवासी मदर इंडिया झुग्गी ईदगाह हिल्स, को हिरासत में लेकर चार किलो 50 ग्राम अवैध गांजा जब्त किया गया।

- बैरसिया बस स्टैंड का बरामदा थाना गौतम नगर से जावेद खान निवासी ग्राम पोलाय कला थाना अवन्तिपुर बड़ोदिया जिला शाजापुर, को हिरासत में लेकर 53.37 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडी कीमत दो लाख 15 हजार रुपए का बरामद किया।

पुलिस कंट्रोल में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन

भोपाल। ट्रैफिक पुलिस के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ ही आटो चालकों के लिए पुराने पुलिस कंट्रोल रूम में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ढाई सौ से ज्यादा कर्मचारियों और आटो चालकों ने निःशुल्क अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया। ट्रैफिक डीसीपी संजय सिंह ने बताया कि यातायात के पुलिस अधिकारी और कर्मचारी लगातार ड्यूटी में उपस्थित रहते हैं। व्यस्तता के कारण उन्हें अपने स्वास्थ्य से कई अवसरों पर समझौता करना पड़ता है। इसी प्रकार शहर के आटो चालकों की भी बड़ी संख्या ऐसी है, जो अपने व्यवसाय के कारण स्वास्थ के प्रति सचेत नहीं रहते हैं। इसके चलते उन्हें आंखों, स्वांस, बीपी और सुगर समेत कई प्रकार की बीमारियां होने की संभावना बनी रहती है। इसके चलते पुलिस कमिश्नर हरिनारायणा चारी मिश्र के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर पंकज श्रीवास्तव के निर्देशन में रविवार को पुराने पुलिस कंट्रोल रूम से सभाकक्ष में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर सेवा सदन नेत्रालय ट्रस्ट के सौजन्य से आयोजित किया गया, जिसमें पुलिस कर्मचारियों और आटो चालकों ने अपने स्वास्थ्य का परीक्षण कराया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त विक्रम सिंह रघुवंशी से साथ यातायात के अन्य अधिकारी तथा सेवा सदन हॉस्पिटल से सुरेश, डॉ. भकतानी, नीलेश के साथ ही उनकी सहयोगी टीम उपस्थित रही। डीसीपी सिंह ने बताया कि भविष्य में बस, ट्रक तथा अन्य कामर्शियल वाहनों के चालकों के लिये इसी प्रकार का स्वास्थ्य परीक्षण शिविर हलालपुरा, लालघाटी क्षेत्र में आयोजित किया जाना प्रस्तावित है।

आर्मी जवान ने मेस में लगाई फांसी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

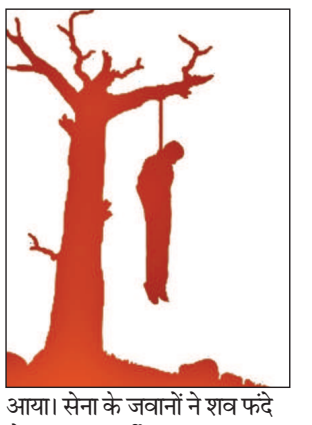

बैरागढ़ थाना क्षेत्र स्थित आर्मी कैंट की मेस में शनिवार शाम सेना के जवान ने फांसी लगा ली। उसे फंदे से उतारकर श्री ईएमई सेंटर के अस्पताल ले जाया गया, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उसे मृत घोषित कर दिया गया। जवान के पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने शव पीएम के बाद अधिकारियों को सौंप दिया है। सेना के अधिकारियों ने जवान का शव हवाई मार्ग से उसके निज निवास कालीकट केरल भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार शोभित कुमार (35) कालीकट, केरल के थे। उनकी पोस्टिंग बैरागढ़ कैंट एरिया में थी। शनिवार शाम उन्हें ड्यूटी जाना था, लेकिन वह वह ड्यूटी नहीं पहुंचे। उनकी तलाश की गई तो मेस के कमरे में उनका शव फांसी के फंदे पर लटका नजर आया। सेना के जवानों ने शव फंदे से उतारकर आर्मी अस्पताल पहुंचाया, वहां पता चला कि उनकी मौत हो चुकी है। रविवार जवान का शव पीएम के बाद परिजन आर्मी के अधिकारियों को सौंप दिया गया। अधिकारियों ने सड़क मार्ग से शव इंदौर भेजा। इंदौर से हवाई मार्ग से शव केरल भेजा गया है, वहां जवान को अंतिम विदाई दी जाएगी।

बीपी शुगर की दवाई खाकर सोए भेल के रिटायर्ड बुजुर्ग की मौत

भोपाल। अवधपुरी थाना क्षेत्र स्थित अविनाश नगर में भेल से रिटायर्ड बुजुर्ग की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उन्होंने रविवार सुबह बीपी शुगर की दवाई खाई थी और सो गए। इसके बाद उनकी नींद नहीं खुली। परिजन उन्हें कस्तूरबा अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार राधेश्याम प्रसाद भेल से रिटायर्ड थे और पत्नी के साथ अविनाश नगर, अवधपुरी में रहते थे। उनकी पत्नी ने बताया कि राधेश्याम को बीपी, शुगर समेत थायराइड बढ़े होने की समस्या थी। रविवार सुबह आठ बजे उन्होंने दवाइयां खाई और सो गए। दोपहर करीब डेढ़ बजे उन्होंने राधेश्याम को खाना खाने के लिए जगाया, लेकिन उनकी नींद नहीं खुली। शरीर में हलचल नहीं होने के कारण आसपास के लोगों को बुलाया गया। इसके बाद उन्हें कस्तूरबा अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां डॉक्टर ने चेक करने पर राधेश्याम प्रसाद को मृत घोषित कर दिया।

शातिर वाहन चोर चढ़ा पुलिस के हत्थे, मकान मालिक पर प्रकरण दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

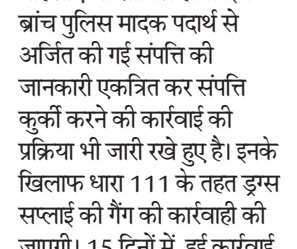

कटारा हिल्स थाना पुलिस ने एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ दूसरे थानों में भी वाहन चोरी के कई मामले दर्ज हैं। इस मामले पुलिस ने आरोपी के मकान मालिक पर भी केस दर्ज किया है। मकान मालिक ने किराएदार की सूचना पुलिस को नहीं दी थी। थाना प्रभारी बिजेंद्र निगम ने बताया कि वाहन चोरी रोकने और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए एक विशेष टीम बनाई गई थी। इस बीच सूचना मिली कि एक व्यक्ति सस्ते दामों पर बाइक बेचने की बात कर रहा है।

पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे हिरासत में लिया। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम जितेंद्र अहिरवार पुत्र फूलसिंह अहिरवार (34) निवासी अमरावद खुर्द थाना अवधपुरी बताया। फिलहाल वह प्राईड सिटी कराटा हिल्स में रह रहा था।

आईसीजेएस के माध्यम से पता चला कि आरोपी के खिलाफ शहर के अलग-अलग थानों में वाहन चोरी के मामले दर्ज हैं। पूछताछ करने पर उसने बताया कि करीब 11 महीने पहले कटारा हिल्स स्थित ग्राम बगली से एक बाइक चोरी की थी, जिसे पैसों की जरूरत होने पर बेचने के लिए ग्राहक तलाश कर रहा था।

उसकी निशानदेही पर पुलिस ने संत आसाराम नगर फेस-3 के पास खाली पड़े प्लाट में छिपाकर रखी गई बाइक बरामद कर ली। उक्त बाइक चोरी की रिपोर्ट शाहिद खान ने पिछले साल दो दिसंबर को थाने में दर्ज कराई थी। पुलिस ने इस मामले में किराएदार की जानकारी नहीं देने वाली मकान मालकिन सोनम अहिरवार निवासी अमराई परिसर बागसेवनिया के खिलाफ भी शासकीय आदेश के उल्लंघन का मामला दर्ज किया है।

देहात पुलिस की काम्बिंग गश्त, वारंटी गिरफ्तार

भोपाल। पुलिस अधीक्षक देहात प्रमोद कुमार सिन्हा के निर्देश पर देहात के सभी थानों में शनिवार-रविवार को काम्बिंग गश्त की गई। इस दौरान स्थाई, गिरफ्तारी और जमानती वारंटों की तामीली की गई। इसके साथ ही गुंडे-बदमाश, हिस्ट्रीशीटर और जिलाबदर बदमाशों को चैक किया गया। शनिवार देर रात बैरसिया, ईंटखेड़ी और बिलखिरिया एसडीओपी ने थाना प्रभारियों और पुलिस बल का आवश्यक ब्रीफिंग करके क्षेत्र में रवाना किया। सातों थानों के कुल 85 पुलिस कर्मचारियों और अधिकारियों को काम्बिंग गश्त में लगाया गया था। वरिष्ठ अधिकारी लगातार संभागवार और थानावार टीमों की मानीटरिंग करते रहे। गश्त के दौरान एक नाबालिग के अपहर्ता को गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही 24 स्थाई वारंट, 40 गिरफ्तारी वारंट और 48 जमानतीय वारंटों की तामीली की गई। सभी थानों के कुल 47 जिलाबदर और हिस्ट्रीशीटर बदमाशों की चैकिंग की गई।

डिजिटल अरेस्ट हुए कारोबारी को पुलिस ने किया रेस्क्यू

अरेरा कालोनी के व्यक्ति को जालसाजों ने किया था अरेस्ट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी के अरेरा कालोनी में रहने वाले एक कारोबारी को सायबर जालसाजों ने डिजिटली अरेस्ट कर लिया. जालसाजों ने करीब छह घंटे तक उन्हें कमरे से बाहर नहीं निकलने दिया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची राज्य सायबर पुलिस की टीम ने कारोबारी को जालसाजों के चंगुल बाहर निकाला। समय पर पुलिस नहीं पहुंचती तो जालसाज लाखों रुपये की ठगी कर सकते थे। राज्य सायबर पुलिस द्वारा की गई यह कार्रवाई डिजिटल अरेस्ट के मामले में देश की पहली कार्रवाई मानी जा रही है। जानकारी के अनुसार अरेरा कालोनी में रहने वाले विवेक ओबेराय कारोबारी हैं। भोपाल के अलावा वह दुबई में भी कारपोरेट सेक्टर में काम करते हैं। शनिवार दोपहर करीब एक बजे अज्ञात व्यक्ति ने उन्हें फोन किया और बताया कि आपके आधार कार्ड पर ली गई मोबाइल सिमें गलत कामों में उपयोग की जा रही हैं। इसके साथ ही आपके आधार कार्ड पर देश के अलग-अलग राज्यों में फर्जी बैंक एकाउंट भी खोले गए हैं। यह सुनकर विवेक काफी घबरा गए तो अज्ञात व्यक्ति ने उनके मोबाइल पर स्काइप ऐड डाउनलोड करवाया और वीडियो काल करके दूसरे अधिकारियों से बात कराई। जालसाजों ने ट्राई लीगल सेल, सीबीआई, मुंबई क्राइम ब्रांच का अफसर बनकर उनसे पूछताछ करने लगे। इस दौरान विवेक को कहा गया था कि जब तक इन्वेस्टीगेशन चल रही है, तब तक परिवार अथवा अन्य किसी को कुछ नहीं बताएं और कमरे से बाहर भी नहीं जाना है। पड़ोसी ने दी पुलिस को सूचना दोपहर बाद एक पड़ोसी ने विवेक को कई बार फोन लगाया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। शाम को वह उनके घर पहुंचे तो परिवार वाले मिले। विवेक के बारे में पूछने पर परिजनों ने बताया कि वह अपने कमरे में हैं और वीडियो काल पर किसी से बात कर रहे हैं। उन्होंने बोला है कि इन्वेस्टीगेशन पूरा होने के बाद ही वह बाहर आएंगे। यह सुनते की पड़ोसी को शंका हुई तो उन्होंने तुरंत ही पुलिस को सूचना दी। पुलिस से यह सूचना राज्य सायबर सेल पहुंची तो तुरंत ही दो पुलिसकर्मी उनके घर भेजे गए। सायबर टीम के पहुंचते ही ऑफ हुई स्क्रीन सायबर पुलिस के दो कर्मचारी विवेक के घर पहुंचे और परिजनों से बातचीत करके कमरे का दरवाजा खुलवाया। उस वक्त लैपटाप पर तीन लोग वीडियो कालिंग पर विवेक से बातचीत कर रहे थे। पुलिस ने जब अपना परिचय देते हुए बात करने वालों का परिचय पूछा तो तत्काल ही स्क्रीन ऑफ हो गई और फोन कट गए। विवेक ने पुलिस को बताया कि वह बुरी तरह से डर गए थे, इसलिए किसी को कुछ नहीं बता रहे थे। जालसाज उनसे परिवार की और निजी जानकारियां पूछ रहे थे। कुछ देर होती तो वह लाखों रुपए जालसाजों को ट्रांसफर कर देते थे। डिजिटल अरेस्ट का कोई प्रावधान नहीं देश में डिजिटल अरेस्ट जैसा कोई भी प्रावधान नहीं है। कोई असली पुलिस अधिकारी/ टेलीकांम डिपार्टमेंट अधिकारी फोन पर अथवा वीडियो कॉल पर डिजिटल अरेस्ट होने के लिए कहता है तो ऐसे कॉल या मेसेज का कोई प्रतिउत्तर नहीं दें। इस प्रकार के नंबर्स को तत्काल ब्लाक करें और नजदीकी पुलिस थाने में शिकायत करें। देश के प्रधानमंत्र नरेंद्र मोदी भी मन की बात कार्यक्रम में कह चुके हैं कि डिजिटल अरेस्ट से डरे नहीं, रुकें, सोचें और फिर एक्शन लें।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022